सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition
वर्ष : 1 अंक : 300, नई दिल्ली, गुरुवार, 23, नवंबर 2023 पेज : 8

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

मेहनत सीढ़ियों की तरह होती है, और भाग्य लिफ्ट की तरह होता है, किसी समय लिफ्ट तो बन्द हो सकती है, लेकिन सीढ़ियां आपको हमेशा ऊंचाई की तरफ ही ले जाती है।

दिल्ली की सड़को जल्द दौड़ती नजर आएगी प्रीमियम बस सेवा...

दिल्ली में महिला, मजदुर फ्री सेवा प्राप्त कर रहे हैं वहा कितने व्यवसाई ऐप बेस्ड प्रीमियम बस संचालन कर पाते हैं

एनटीवी

दिल्ली की सड़को पर प्रीमियम बस सेवा के तहत बसों को चलाने के लिए जारी हुआ गैजेट नोटिफिकेशन,₹₹
अरविंद केजरीवाल की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओ में से एक थी ऐप बेस्ड प्रीमियम बस सेवा प्रीमियम बस सेवा संचालन के लिए संचालक को एसी लग्जरी कोच बस जिसमें जीपीएस नेविगेशन, पैनिक बटन सिस्टम, वाईफाई जैसी आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी ही चलाने की इजाजत दी गई है। प्रीमियम बस संचालक स्वयं बसों के रूट और किराया तय करेंगे पर किराया उन्हे एप पर प्रदर्शित करना होगा जिससे पैसेंजर को कोई दिक्कत नहीं हो,

बस सचालक कभी भी किराया घटा या बड़ा सकता है इसकी उसको सरकार की तरफ से छूट है लेकिन इस नोटीफिकेशन के अनुसार वह सवारी से किराया डीटीसी के अधिकतम किराए के बराबर या उससे अधिक ले सकते है पर डीटीसी के किराए से कम नहीं।

किराया केवल डिजिटल माध्यम से लिया जा सकेगा तथा नियम के अनुसार पहले से बुकिंग वाले यात्री को यात्रा की इजाजत होगी, किसी भी हालात में फिजिकल टिकट बस में देने की इजाजत नहीं दी गई है।

लाइसेंस धारक द्वारा यात्री की बुकिंग ले लेने के बाद यात्रा ट्रिप को रद्द करने की इजाजत भी नहीं है।

> किराया केवल डिजिटल माध्यम से लिया जा सकेगा तथा नियम के अनुसार पहले से बुकिंग वाले यात्री को यात्रा की इजाजत होगी, किसी भी हालात में फिजिकल टिकट बस में देने की इजाजत नहीं दी गई है।

अब देखना यह होगा की :-
दिल्ली में महिला, मजदुर फ्री सेवा प्राप्त कर रहे हैं वहा कितने व्यवसाई ऐप बेस्ड प्रीमियम बस संचालन कर पाते हैं
या फिर इन व्यवसायियों के लिए महिला, मजदुर फ्री सेवा बंद का आदेश आता है?

जबरन रिटायर किए गए चालक और परिचालकों को बहाल करने का आदेश

एनटीवी,नैनीताल

हाईकोर्ट ने उत्तराखंड परिवहन निगम प्रबंधन की ओर से दिव्यांगता की वजह से जबरन सेवानिवृत्त किए गए चालक-परिचालकों को सवेतन बहाल करने के आदेश दिए हैं।

न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि वे रोडवेज में चालक व परिचालक के रूप में कार्य कर रहे थे। रोडवेज में डयूटी के दौरान दिव्यांगता की वजह से चालक-परिचालकों से अन्य काम लिया जा रहा था।

सितंबर 2022 में परिवहन निगम बोर्ड ने इन याचिकाकर्ता चालक-परिचालकों को तीन माह का नोटिस देकर जबरन सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया। याचिकाकताओं ने नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी। पूर्व में कोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित कर आदेश पर रोक लगा रखी थी। इसके विरुद्ध रोडवेज ने स्पेशल अपील दायर कर चुनौती दी। पूर्व में तत्कालीन चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने स्पेशल अपील को खारिज करते हुए एकलपीठ को याचिका के जल्द निस्तारण के आदेश दिए थे। एकलपीठ ने सुनवाई पूरी कर निर्णय सुरक्षित रख लिया था। एकलपीठ ने रोडवेज के नोटिस को अवैध करार देते हुए इसे खारिज कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर की टक्कर से किसान की मौत, भाई और पिता घायल; धान बेचकर मंडी से घर लौट रहे थे

मैनपुरी
मैनपुरी में ट्रैक्टर की टक्कर से किसान की मौत हो गई। जबकि भाई और पिता घायल हो गए। यह लोग धान बेचकर मंडी से घर लौट रहे थे। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में धान बेचकर मंडी से घर लौट रहे किसान को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में किसान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि भाई और पिता घायल हो गए। भाई को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज सैफई के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। हादसा एलाऊ थाना क्षेत्र में हुआ। मामला किशनी थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव का है। गांव निवासी किसान सतेंद्र सिंह (32) मंगलवार को शहर स्थित नवीन मंडी में धान बेचने के लिए आए थे। देर रात किसान पिता अजंट सिंह और चचेरे भाई प्रदीप उर्फ तिवारी के साथ बाइक से वापस गांव लौट रहा था। बाइक जब थाना एलाऊ क्षेत्र में भांवत के पास पहुंची। तभी एक प्लॉट में भराव डाल रहे ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। सिपाही पति करता है क्रूरता, दास्तां बताते हुए भरे कलेक्ट्रेट में फूट-फूटकर रोई महिला; कांप गए सुनने वालेहादसे में सतेंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पिता और भाई हादसे में घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से प्रदीप उर्फ तिवारी को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर किया गया। बुधवार को पुलिस ने किसान के शव का पोस्टमार्टम कराया। हादसे में सतेंद्र की मौत के बाद घर में चीख पुकार मची है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

शादी से इनकार पर प्रेमिका के गांव पहुंचा युवक, पेट्रोल डालकर लगाई आग, हालत गंभीर

लखनऊ
हरदोई जिले के एक युवक ने शादी तय न होने से निराश होकर प्रेमिका के गांव के बाहर पहुंचकर खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। युवक की हालत गंभीर है।
रायबरेली की ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में प्रेमिका से शादी न होने से नाराज हरदोई जिले के एक युवक ने पेट्रोल डालकर आग लगा ली। आग लगने से उसका चेहरा व हाथ झुलस गया। उसे गंभीर हालत में सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।
हरदोई जिले के कासिमपुर थाना क्षेत्र सरेहरि छत्ताखेड़ा गांव निवासी धीरज कुमार (20) पुत्र ओम प्रकाश का गांव की एक युवती से फोन काल के जरिये संपर्क हुआ। दोनों एक दूसरे से बातचीत करने लगे। मामला शादी करने तक पहुंचा तो युवक, उसकी मां व पिता अगस्त माह में लड़की के घर शादी तय करने पहुंचे लेकिन रिश्ता तय नहीं हुआ और तीनों वापस चले गए। इसके बाद प्रेमिका से बातचीत भी बंद हो गई।
बुधवार सुबह युवक गांव के पास पहुंचा और साथ लाए पेट्रोल को शरीर पर डालकर आग लगा लिया। आग लगने पर शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह कपड़ों की आग बुझाई। उसे एंबुलेंस की मदद से रोहनिया सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला रेफर कर दिया गया। कोतवाल आदर्श कुमार सिंह ने बताया कि शादी न होने से नाराज होकर युवक ने आइ लगाई है। परिजनों को सूचना दी गई है तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

विकासनगर और सिरमौर के खनन कारोबारियों के दो गुट आपस में भिड़े, जमकर हुई मारपीट, वाहनों के शीशे तोड़े

> सूचना पर पहले चीता पुलिस और फिर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक भुवन चंद्र पुजारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

शिमला, देहरादून

एक गुट ने लाठियों से दूसरे गुट के तीन वाहनों के शीशे तोड़ दिए। विकासनगर के खनन कारोबारी के गुट ने सिरमौर के खनन कारोबारी के गुट के एक व्यक्ति पर पिस्टल तानने का आरोप लगाया है। हिमाचल प्रदेश की सीमा से लगे नाव घाट के पास बुधवार को विकासनगर और सिरमौर जिले के खनन कारोबारियों के दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों गुटो के बीच जमकर मारपीट हुई। एक गुट ने लाठियों से दूसरे गुट के तीन वाहनों के शीशे तोड़ दिए। विकासनगर के खनन कारोबारी के गुट ने सिरमौर के खनन कारोबारी के गुट के एक व्यक्ति पर पिस्टल तानने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहले चीता पुलिस और फिर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक भुवन चंद्र पुजारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों गुटों के लोगों और वाहनों को कोतवाली लाया गया। कोतवाली में भी दोनों गुटों के लोगों ने जमकर हंगामा काटा। सिरमौर जिले के खनन कारोबारियों ने विकासनगर के खनन कारोबारियों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी। वहीं सिरमौर जिले के खनन कारोबारियों पर मारपीट, पिस्टल दिखाने और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल भी हो रहा है।

बहराइच में कंटेनर और ट्रेलर की जबरदस्त भिड़ंत में दो की दर्दनाक मौत, तीन घायल

लखनऊ

बहराइच के हरदी थाना क्षेत्र में हुए भी एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बहराइच जिले के हरदी थाना क्षेत्र के चहलारीघाट पुल के पास सुबह करीब चार बजे सीतापुर से कपड़े लोड कर आ रहे कंटेनर और बहराइच से धान लोडकर जा रहे ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है और तीन लोग घायल हो गए जिन्हें समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमपुरवा भेजा गया है। मौके पर पुलिस बल मौजूद है। मृतकों की पहचान की जा रही है। अभी नाम पता कि जानकारी नहीं मिली है। इसके चलते हाईवे पर जाम की समस्या में बनी हुई है जिससे आवागमन में बाधित हो रहा है।

अब पिंजौर बाईपास से चलेंगी शिमला-दिल्ली रूट की वोल्वो, यात्रियों की मांग पर आवाजाही का बदला रूट

शिमला

दिल्ली से रात 9:30 और10:30 बजे चलने वाली वोल्वो चंडीगढ़ नहीं जाएगी और जीरकपुर से सीधे पंचकुला होते हुए शिमला आएगी ताकि यात्रियों के समय की बचत हो सके।

शिमला-दिल्ली रूट पर चलने वाली वोल्वो बसें पिंजौर बाईपास होकर चलेंगी। एचआरटीसी की ओर से वोल्वो यात्रियों के लिए शुरू की फीडबैक सेवा से मिले सुझावों के आधार पर वोल्वो रूटों में संशोधन किया है। निगम प्रबंधन ने फैसला लिया है कि शिमला-दिल्ली रूट पर आवाजाही करने वाली कोई भी वोल्वो कालका, पिंजौर, परवाणु नहीं जाएगी।

दिल्ली से रात 9:30 और10:30 बजे चलने वाली वोल्वो चंडीगढ़ नहीं जाएगी और जीरकपुर से सीधे पंचकुला होते हुए शिमला आएगी ताकि यात्रियों के समय की बचत हो सके। शिमला से सुबह 9:45 बजे चलने वाली वोल्वो पंचकुला से ट्रिब्यून चौक होते जाएगी और शिमला से दोपहर बाद 1:45 वोल्वो सीधी पंचकुला से जीरकपुर होते हुए दिल्ली जाएगी।

रूटों में बदलाव से यह गाड़ियां दिल्ली पहुंचने में लगभग दो घंटे कम लेगी। यात्री जाम में नहीं फंसेंगे और आसानी से मेट्रो पकड़ सकेंगे। शिमला से चंडीगढ़ एयरपोर्ट वोल्वो पिंजौर बाईपास से होकर चलेगी। पिंजौर, कालका, परवाणु से निगम की वोल्वो में सफर करने वाले यात्री टीटीआर परवाणु या फिर पिंजौर (दिल्ली- शिमला हाईवे) से इन बसों में सवार हो सकेंगे।

सिंगल रूटों पर नहीं चलेंगी बसें, संचालन नहीं होने से ग्रामीण अंचल की जनता परेशान

एनटीवी,आगरा

जलेसर को जाने वाले मार्ग की बात करें तो यहां 24 घंटे में एक दो बसें ही चलती हैं। इसके कारण यहां 85 प्रतिशत यात्री प्राइवेट वाहनों से सफर करते हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सिंगल रूटों पर परिवहन निगम की बसों का संचालन नहीं होने के कारण ग्रामीण अंचल की जनता को प्राइवेट वाहनों से सफर तय करने को मजबूर है। परिवहन विभाग की ओर इन रूटों पर बसों का संचालन अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है। ग्रामीण जनता कई बार बसों के संचालन किए जाने की मांग भी जिला प्रशासन से कर चुकी है।

परिवहन निगम की ओर से ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से सिंगल रूटों पर बसों को चलाए जाने की तैयारी की थी। इससे ग्रामीण अंचल की जनता का सफर आसान हो सके, लेकिन जिले के कई प्रमुख सिंगल रूटों पर तो आज भी आमजन प्राइवेट बसों, टेंपो या मैजिक से ही सफर तय करने को मजबूर हैं। क्योंकि यहां बसों का संचालन आज तक प्रारंभ नहीं हो सका। फिरोजाबाद से जलेसर को जाने वाले मार्ग की बात करें तो यहां 24 घंटे में एक दो बसें ही चलती हैं। इसके कारण यहां 85 प्रतिशत यात्री प्राइवेट वाहनों से सफर करते हैं। कमोवेश यही हाल फिरोजाबाद से कोटला-फरिहा से मुस्तफाबाद एका को जाने वाले मार्ग का हाल है।

इन सिंगल रूटों पर नहीं चलतीं बसें

फिरोजाबाद से फतेहाबाद जाने वाले मार्ग, फिरोजाबाद से खैरगढ़, हाथवंत से मुस्तफाबाद एका तक जाने वाला मार्ग, फिरोजाबाद से मटसेना, दतावली को जाने वाला मार्ग। टूंडला से बछगांव, नारखी, बरतरा और कोटला फरिहा जाने वाला मार्ग, हाथवंत-खैरगढ़ से मक्खनपुर मार्ग, हाथवंत से शिकोहाबाद मार्ग।

शासन से जारी निदेर्शों के क्रम में जिले के ग्रामीण अंचल के सिंगल रूटों पर सर्वे कराके उन पर बसों को संचालित किए जाने के लिए रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। शासन की ओर से अभी कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। शासन से निर्देश मिलने के साथ ही इन रूटों पर बसों को संचालित किया जाएगा।

नगर निगम के टैंकर ने बुजुर्ग महिला को रौंदा, मौके पर हुई मौत, बेटी संग जा रही थी स्कूटी से

लखनऊ

हादसे के बाद टैंकर चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस राहिला को सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजनों से सिविल अस्पताल में हंगामा किया। हजरतगंज स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के पास बुधवार को नगर निगम के टैंकर की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। हादसे के वक्त महिला की बेटी स्कूटी चला रही थी। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि ठाकुरगंज के हुसैनाबाद इलाके में राहिला खान (60) रहती थीं। बुधवार की दोपहर वह अपनी बेटी के साथ स्कूटी से किसी काम से जा रही थी। हजरतगंज मल्टी लेवल पार्किंग के पास नगर निगम के टैंकर को ओवरटेक करने के दौरान अचानक स्कूटी टैंकर से टकरा गई और स्कूटी के पीछे बैठी राहिला खान टैंकर की पहिया के नीचे आ गई। टैंकर का पहिया उनके सिर पर चढ़ गया। हादसे के बाद टैंकर चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस राहिला को सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजनों से सिविल अस्पताल में हंगामा किया।

मुठभेड़ में गोशाला के पास से चार गोतस्कर गिरफ्तार, गोली लगने से एक घायल

एनटीवी, मथुरा

मथुरा के बरसाना थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ में गोशाला के पास से चार गोतस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। तीर्थनगरी मथुरा के बरसाना थाना क्षेत्र में पुलिस ने चार गो तस्करों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। यह गोशाला से गाय चोरी करने की योजना बना रहे थे। इस दौरान एक गो तस्कर के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। पकड़े गए अन्य बदमाशों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इनके कब्जे से तीन तमंचा व दो चोरी की बाइक बरामद हुई हैं। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि उन्हें बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि करहला रोड पर पदम फौजी ग्राउंड पर चार-पांच बदमाश लूट व चोरी की फिराक में खड़े हैं। इस पर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। यहां करब की आड़ में बैठे बदमाशों ने पुलिस को आता देख फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पति है नंपुसक... जेठ और ससुर जबरन नोचते हैं शरीर; पीड़ा सुनाते हुए फफक पड़ी पीड़िता; पुलिस भी रह गई सन्न पुलिस ने घायल खुर्शीद सहित चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। घायल को नजदीकी सीएचसी में भर्ती कराया है। गिरफ्तार बदमाशों में खुर्शीद (28) निवासी हाथिया (घायल), मोटा (25) निवासी सहार थाना बरसाना, सूरज निवासी आटे थाना रोजकामेव, जिला नूंह (हरियाणा), दीपक निवासी नौगांव,थाना छाता, मथुरा शामिल हैं। सिपाही पति करता है क्रूरता, दास्तां बताते हुए भरे कलेक्ट्रेट में फूट-फूटकर रोई महिला; कांप गए सुनने वाले

एसपी देहात त्रिगुन विशेन ने बताया कि पुलिस ने लूट की फिराक में खड़े चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

बड़ी बाधा न आई तो कल निकल सकते हैं फंसे हुए मजदूर, बदलेंगे सुरंग निर्माण के मानक

एनटीवी,देहरादून

सिलक्यारा सुरंग में 10 दिन से फंसे 41 श्रमिकों की मंगलवार को पहली तस्वीर सामने आई। छह इंच के पाइप से भेजे गए एंडोस्कोपिक कैमरे में सभी श्रमिक सुरक्षित नजर आए। वॉकी-टॉकी से उनसे बात भी हुई। मजदूरों को इसी पाइप से दवाई, संतरे, केले, रोटी, सब्जी, पुलाव और नमक भेजा गया।

इस बीच, श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लि. ने सुरंग के भीतर से रेस्क्यू पर फोकस बढ़ा दिया है। एमडी महमूद अहमद ने बताया कि बुधवार को रेस्क्यू अभियान की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में 22 मीटर तक भेजे गए 900 मिमी के पाइप के भीतर से 800 मिमी का पाइप टेलीस्कोपिक तकनीक से भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकन ऑगर मशीन से ड्रिल का काम शुरू कर दिया गया है। इसकी ड्रिल स्पीड 5 मीटर प्रति घंटा है, लेकिन अड़चनों की वजह से वह इस गति से काम नहीं कर पाए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बृहस्पतिवार को मजदूर सुरंग से बाहर निकाल लिए जाएंगे। बड़कोट सिरे से 8 मीटर तक बनाई सुरंग निगम के निदेशक प्रशासन अंशु मनीष खल्खो ने बताया, सुरंग के बड़कोट की तरफ वाले सिरे से भी काम शुरू किया है। करीब आठ मीटर तक दो वर्ग मीटर की बचाव सुरंग खोदी जा चुकी है। हालांकि उस सिरे से श्रमिकों तक पहुंचने के लिए करीब 325 मीटर ड्रिल करना पड़ेगा। पीएम बोले-सभी को बचाना प्राथमिकताः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से श्रमिकों को बचाने के लिए चलाए ज रहे बचाव कार्यों की जानकारी ली। पीएम ने कहा कि श्रमिकों को हर हाल में सुरक्षित निकालना हमारी पहली प्राथमिकता है। सिलक्यारा हादसे से सबक, अब सुरंग निर्माण के बदलेंगे मानक उत्तरकाशी के सिलक्यारा में सुरंग हादसे के बाद अब पूरे देश में सुरंग निर्माण के मानक बदलने वाले हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अंडरग्राउंड वर्क के नए नियम तैयार कर लिए हैं जो जल्द ही लागू होंगे। वहीं दूसरी ओर विशेषज्ञों ने यह माना है कि प्रदेश की सबसे लंबी 4.5 किमी की सिलक्यारा सुरंग में न तो एस्केप टनल का न ही दो किमी दूरी के बाद एडिट एप्रोच का प्रावधान रखा गया।

बीआईएस की नियमावली समिति के चेयरमैन और जियोलॉजिक सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व निदेशक डॉ.पीसी नवानी ने बताया कि अभी तक बीआईएस नियमावली में एस्केप टनल या एप्रोच एडिट जैसी व्यवस्थाएं नहीं हैं। हमने भूटान में 27 किमी की सुरंग बनाई थी, जिसमें हर दो किमी पर एप्रोच एडिट यानी बाहर से जोड़ने वाली एक टनल बनाई गई थी। हम भारत में जो नए नियम बना रहे हैं, उनमें एप्रोच एडिट या एस्केप टनल का कांसेप्ट शामिल करेंगे। ये नियम जल्द लागू होंगे, फिर देश में हर सुरंग में एप्रोच एडिट या एस्केप टनल अनिवार्य होगी।

शादी-ब्याह में अपने लुक से करना है रॉक, तो प्लस साइज महिलाएं फॉलो करें ये टिप्स

एनटीवी

शादी, पार्टी की शॉपिंग करते वक्त ऑप्शन तो बहुत नजर आते हैं, लेकिन अगर आप प्लस साइज हैं, तो सिर्फ पसंद के बेसिस पर

आउटफिटस नहीं खरीद सकती।

आपको अपनी फीगर का भी ध्यान रखना होता है। वैसे बहुत सारी प्लस साइज महिलाओं को पता भी नहीं होता कि किस तरह के ड्रेसेज उनकी पर्सनैलिटी पर अच्छे लगेंगे और किन तरह के आउटफिट्स से एक्स्ट्रा फैट को कवर किया जा सकता है। आज के लेख में हम इसी के बारे में जानने वाले हैं।

प्लस साइज महिलाओं के लिए स्टाइलिंग टिप्स

एंपायर कट ड्रेसेज आपके लिए एकदम बेस्ट ऑप्शन हैं। फिर चाहें वो एथनिक में हों, वेस्टर्न पहनें या फिर फ्यूजन में। प्लस साइज महिलाओं पर एंपायर कट बहुत ही अच्छा लगता है। साथ ही ये उन महिलाओं के लिए बेस्ट

है, जिनकी लोअर बॉडी हैवी होती है।

शादी में अगर आप हैवी वर्कवाली ड्रेसेज पहनने वाली हैं, तो उसमें लाइट नहीं बल्कि डार्क कलर्स चुनें। ब्लैक, डार्क ग्रीन, ब्लू ऐसे कलर्स हैं, जो शादी-ब्याह में अच्छे भी लगते हैं और इनमें आप अपने ग्रेस को भी बढ़ा सकती हैं।
मोनोक्रोम लुक यानी बहुत ज्यादा कलर्स या ब्राइट कलर कंट्रास्ट की जगह सिंगल कलर की ड्रेस आपकी फीगर पर ज्यादा जंचेगी। अगर आपको
सिंगल कलर में लुक बोरिंग लग रहा है, तो आउटफिट के साथ कलरफुल

कंट्रास्ट ज्वैलरी पहनें।

सूट, गरारा पहनने वाली हैं, तो इसके साथ लंबी कुर्ती चुनें। इससे बैली और हिप एरिया के फैट को आसानी से छुपाया जा सकता है। वहीं अगर लंहगा-चोली पहनने का इरादा है, तो पेट का मोटापा कवर करने के लिए चोली के नेक डिजाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करें। वी या स्वीटहार्ट नेक डिजाइन

आपको सूट करेंगे।

ड्रेस के डिजाइन के साथ ही इसके फैब्रिक पर भी ध्यान दें। हैवी बनारसी सिल्क, ऑर्गेंजा, टिशू या वेलवेट जैसे फैब्रिक के बजाय लाइट फैब्रिक जैसे- शिफॉन, जॉर्जेट, लिनन, मटका सिल्क या मैसूर सिल्क आप पर ज्यादा

अच्छे लगेंगे।

सूट के साथ दुपट्टा नहीं कैरी करने वाली हैं, तो इसकी जगह मैचिंग कलर की लॉन्ग जैकेट पहन सकती हैं। शॉर्ट ब्लाउज और हाई वेस्ट ट्राउजर्स के साथ लॉन्ग जैकेट से पेट के एक्स्ट्रा फैट को कवर किया जा सकता है।
ड्रेस के साथ अच्छी फिटिंग वाली लॉन्जरी पहनना भी बहुत जरूरी है।
ब्रा सही सपोर्ट देने वाली होनी चाहिए। अनारकली कुर्ता या गाउन पहन रही हों, तो इसके साथ शेपवेयर पहन सकती हैं।

संगीत में दिखना है खास और मचाना है धमाल तो लहंगा खरीदते वक्त जरूर रखें इन बातों का ध्यान

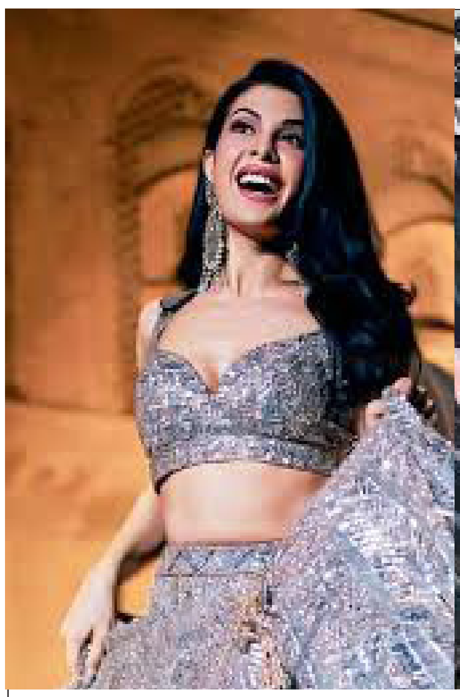

एनटीवी

एक समय था, जब होने वाली दुल्हनें सज-संवर के अपने कमरे में बैठी रहती थीं। उन्हें बस रस्मों के लिए ही बाहर निकाला जाता था, लेकिन अब वक्त बीत गया है। आज के समय में होने वाली दुल्हन अपनी शादी की हर रस्म में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती हैं और खूब एन्जॉय करतीं हैं। शादी के पहले होने वाले कार्यक्रमों की बात करें तो हल्दी और मेहंदी तो हर घर में होती है, लेकिन इसके साथ जो सबसे स्पेशल होती है, वो होती है संगीत की शाम। संगीत की शाम दुल्हन को स्पेशल फील कराने कराने के लिए होती है। इस दिन हर होने वाली दुल्हन काफी अच्छे से तैयार होती है। ज्यादातर होने वाली दुल्हनें अपनी शादी से पहले संगीत की शाम में भी लहंगा पहनना पसंद करती हैं। वैसे तो लहंगा पहनना सबसे सही विकल्प होता है, लेकिन कई बार ये आपको मुश्किल में डाल सकता है। दरअसल, संगीत के कार्यक्रम मे जमकर धमाल होता है। ऐसे में संगीत के लिए लहंगा खरीदते वक्त आपको कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

हल्के लहंगे को दें प्राथमिकता

लहंगा खरीदते वक्त ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा हैवी ना हो। इसकी कई वजहें हैं। पहली तो आप शादी में ऑलरेडी हैवी लहंगा पहनेंगी ही, ऐसे में एक दिन पहले फिर से हैवी लहंगा पहनने से आपका वेडिंग लुक ओवरशैडो हो सकता है। इसके साथ ही अगर बात करें दूसरी वजह की तो संगीत में अगर आप हैवी लहंगा पहनेंगी तो डांस करने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में ध्यान रखें कि आपका लहंगा एम्बेलिश्ड, सिक्विन, पर्ल, भारी जरदोजी या कैन-कैन से दूर हो।

भारी ना हो दुपट्टा

अगर आपका दुपट्टा हैवी होगा, तो इसमें डांस करने में परेशानी हो सकती है। हैवी दुपट्टा कैरी करने के बाद आप पूरे कार्यक्रमों में अपना दुपट्टा ही संभालती रहेंगी। इसी के चलते लहंगे के साथ हल्का दुपट्टा लें और इसे सही से पिन करें।

ऐसे फुटवियर का करें चयन

वैसे तो लहंगे के साथ हील्स ही अच्छे लगते हैं, लेकिन इससे आपको डांस करने में परेशानी हो सकती है ।ऐसे में आप लहंगे के साथ वैजेस पहन सकते हैं। आप ब्लॉक हील्स का चयन भी कर सकती हैं।

ऐसे कैरी करें दुपट्टा

संगीत में धमाल मचाने के लिए आपको लहंगे के साथ दुपट्टा अलग तरीके से कैरी करना चाहिए। संगीत के लहंगे में आप केप और जैकेट की तरह दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। इससे ये बार-बार उलझेगा नहीं।

ऐसा ब्लाउज बनवाएं

संगीत के लिए लहंगे का चयन करने के बाद आप उसका ब्लाउज बनवाते वक्त भी कुछ चीज का ध्यान रखें। अगर आप फुल स्लीव का ब्लाउज बनवाएंगी, तो इससे आपको डांस करने में परेशानी हो सकती है।

सर्दियों में बेहद कारगर हैं ये दादी-नानी के नुस्खे, सर्दी-जुकाम और जकड़न हो जाएगी छूमंतर

एनटीवी

सर्दियों में खांसी-जुकाम होने पर काम में ज्यादा मन नहीं लगता है। सर्दियों के मौसम में दादी-नानी के नुस्खे काफी याद आते हैं। सर्दियों में हमारी दादी-नानी कई ऐसे नुस्खे आजमाती थीं, जिनसे हम सर्दी में बार-बार बीमार नहीं पड़ते थे।
सर्दियों के मौसम में हम सभी लोगों के अंदर ज्यादा आलस आ जाता है। वहीं इस दौरान सर्दी के कारण रजाई व कंबल से बाहर निकलने का मन नहीं होता है। लेकिन सर्दी के मौसम में अपनी सेहत का खास ख्याल रखना पड़ता है। क्योंकि इस मौसम में सर्दी-जुकाम व खांसी आदि आसानी से हो जाती है।

वहीं सर्दियों के मौसम में हमारी

दादी-नानी सर्दी से बचने के लिए कई कारगर नुस्खे आजमाती थीं। वर्तमान समय में भी यह नुस्खे काफी ज्यादा कारगर हैं। ऐसे में अगर आप भी सर्दी के मौसम खुद को फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं, तो आपको भी यह कारगर नुस्खे जरूर अपनाने चाहिए।

सरसों का तेल है कारगर

जैसा कि आप सभी जानते हैं सरसों के तेल में औषधीय गुण पाए जाते हैं। वहीं हमारे यहां सभी घरों में सरसों का तेल इस्तेमाल किया जाता है। हम सभी सरसों के तेल को कड़वा तेल भी कहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के पैर सर्दियों में ठंडे रहते हैं, उनके लिए दादी-नानी का यह नुस्खा रामबाण इलाज है। ऐसे लोगों को सरसों के तेल में लहसुन की कलियां या फिर मेथी डालकर पका लेना चाहिए। फिर इस तेल से पैरों की मालिश करनी चाहिए। इससे आपको पैर दर्द में भी राहत मिलेगी।

लौंग का तेल है फायदेमंद

हमारी दादी-नानी अक्सर लौंग के गुणों का बखान करती थीं। वहीं सर्दी को कम करने में भी लौंग काफी फायदेमंद होती है। वहीं सर्दी के मौसम में अक्सर सीने में जकड़न की समस्या होती है। ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए आप सरसों व नारियल के तेल में लौंग डालकर उसे सीने पर लगाएं। यह नुस्खा जकड़न को कम करने में मददगार होता है।

ज्यादा गर्म पानी से ना नहाएं

आपने भी दादी को अक्सर यह कहते हुए सुना होगा कि ठंडे पानी से नहाने से आपकी सुस्ती चली जाएगी। लेकिन बता दें कि गर्म पानी से नहाने के कई नुकसान होते हैं। अधिक गर्म पानी से नहाने से हमारी त्वचा ड्राई होती है और इससे त्वचा का मॉइश्चर चला जाता है। इसलिए गर्म पानी से नहीं नहाना चाहिए। क्योंकि इससे हमारी स्किन ड्राई होती है।

पेट की समस्याओं के लिए रामबाण है अदरक

दादी-नानी का यह नुस्खा काफी कारगर है। शहद और अदरक में औषधीय गुण पाए जाते हैं। शहद और अदरक को एक साथ खिलाने से पेट दर्द और गैस आदि की समस्या कम हो जाती है। इसलिए हम सभी को सर्दियों में अदरक वाली चाय पसंद आती है।

राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे मनीष सिसोदिया, शराब नीति से जुड़े मामले में होगी सुनवाई

- इस बीच कोर्ट ने वकीलों से नाराजगी जताते हुए कहा कि 207 सीआरपीसी का अनुपालन जल्द से जल्द पूरा करें ताकि सुनवाई शुरू हो सके। अदालत ने ईडी को भी नोटिस जारी किया है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर शराब नीति से जुड़े मामले सुनवाई के लिए दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे हैं। इससे पहले मंगलवार को दिल्ली आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया को ईडी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी के लिए लगाया गया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और अन्य की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी। अभी वह तिहाड़ जेल में बंद है। छोटी दिवाली के दिन राउज एवेन्यू कोर्ट की अनुमति के बाद दिल्ली पुलिस पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलवाने लेकर पहुंची थी। सिसोदिया ने अपनी बीमार पत्नी से मुलाकात की थी। मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को कोर्ट ने इस मामले की विस्तार से सुनवाई की और कहा कि ईडी द्वारा आरोपी व्यक्तियों को कई दस्तावेज दाखिल करना बाकी हैं। इस बीच कोर्ट ने वकीलों से नाराजगी जताते हुए कहा कि 207 सीआरपीसी का अनुपालन जल्द से जल्द पूरा करें ताकि सुनवाई शुरू हो सके। अदालत ने ईडी को भी नोटिस जारी किया है। बेनॉय बाबू की अंतरिम जमानत याचिका पर बहस के लिए 24 नवंबर की तारीख तय की है। एक दिन की पत्नी से मिली थी मिलने की इजाजत दिल्ली कोर्ट ने सिसोदिया को छोटी दिवाली के दिन

सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक मिलने की अनुमति दी थी। पत्नी से मिलने के बाद वे फिर से पुलिस वाहन में तिहाड़ चले गए। इससे पहले हाईकोर्ट ने जून में भी उन्हें पत्नी सीमा से मिलने की अनुमति दी थी, लेकिन वह मुलाकात नहीं कर सके थे। उस समय पत्नी की तबीयत अचानक खराब होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीमा मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित हैं। सिसोदिया ने एक आवेदन दायर कर हिरासत में रहते हुए अपनी बीमार पत्नी से पांच दिनों की अवधि के लिए मिलने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने कल सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई की थी। कोर्ट दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों की सुनवाई कर रही है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सीबीआई के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी आरोपी हैं। दोनों मामलों में सिसोदिया और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं। हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उनकी पिछली जमानत अर्जी हाई कोर्ट के साथ-साथ ट्रायल कोर्ट ने भी खारिज कर दी थी। हालांकि जून में उच्च न्यायालय ने उन्हें हिरासत में अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी थी।

नीदरलैंड की कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों ने चुराया, दुबई में बेचने का आरोप

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर इस मामले में कोतवाली सेक्टर-126 पुलिस ने छह नामजद समेत दुबई की कंपनी के खिलाफ आईटी एक्ट से लेकर अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा के सेक्टर-127 स्थित नीदरलैंड की कंपनी से सॉफ्टवेयर चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कंपनी के ही कुछ लोगों ने सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड अपने पास ले लिया और दुबई की एक कंपनी को दे दिया। इस मामले में कोतवाली सेक्टर-126 पुलिस ने छह नामजद समेत दुबई की कंपनी के खिलाफ आईटी एक्ट से लेकर अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नीदरलैंड की मेसर्स सोलुलेवर बीवी कंपनी की ईकाई नोएडा के सेक्टर-127 में है। कंपनी के ग्राहक देश के विभिन्न हिस्सों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु समेत अन्य शहरों में हैं। यह कंपनी सॉफ्टवेयर का निर्माण

करती है। सॉफ्टवेयर बनाने के लिए कंपनी के इंजीनियर सोर्स कोड बनाते हैं। यह सोर्स कोड सॉफ्टवेयर का अभिन्न हिस्सा होता है। इसके बिना कोई भी शख्स इस तरह का सोर्स कोड नहीं बना सकता है। यह सोर्स कोड कंपनी की संपत्ति है। कंपनी की तरफ से सोर्स कोड को प्राइवेट गिटलैब खाते में सेव किया गया था। इसको बनाने में करीब 20 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। आरोप है कि कंपनी में काम करने वाले कुछ लोगों ने गिटलैब खाते में सेव सोर्स कोड को दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिया और दुबई की कंपनी नेटिक्स ग्लोबल को दे दिया। इस मामले में पुलिस ने रजत सभरवाल, प्रखर शुक्ला, आशीष कपूर, अपूर्व गोयल, अभिषेक अग्रवाल व अर्चित गर्ग के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

संक्षिप्त खबरें

छात्रा को पढ़ाई के लिए कहा कर ली आत्महत्या, फंदे पर लटका मिला शव

दिल्ली-एनसीआर

दादरी के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के महावड गांव के पास डिफेंस मेगा सिटी कॉलोनी में इंटरमीडिएट की छात्रा को माता द्वारा पढ़ाई के लिए डांट दिया। डांटने को लेकर नाराज छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दादरी के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के महावड गांव के पास डिफेंस मेगा सिटी कॉलोनी में इंटरमीडिएट की छात्रा को माता द्वारा पढ़ाई के लिए डांट दिया। डांटने को लेकर नाराज छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में लगी है। पुलिस ने बताया कि महावड गांव के पास डिफेंस मेगा सिटी कॉलोनी बसी है। कॉलोनी में अन्य जनपद से आकर एक परिवार रहता है। मंगलवार की शाम को इंटरमीडिएट की छात्रा को उनकी माता लक्ष्मी देवी ने पढ़ाई को लेकर डांट लगा दी। डांट लगने से नाराज छात्रा अपने कमरे में चली गई और शांत होकर बैठ गई। रात्रि में छात्रा ने पंखे पर फंदा लगाकर लगा लिया। जब सुबह के समय परिजनों ने देखा की छात्रा का कमरा नहीं खुला है। तो विंडो से देखा कि छात्रा पंखे पर लटकी है। शोर मचा दिया शोर सुनकर आसपास के लोग आ गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने छात्रा को फंदे से उतार लिया। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीमा हैदर के पति सचिन की गोली मारकर हत्या? जानिए क्या है सच्चाई; वकील ने किया खुलासा

दिल्ली-एनसीआर

पाकिस्तान से अपने बच्चों के साथ भारत आई सीमा हैदर के पति सचिन की हत्या की खबर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इसको लेकर सीमा के वकील एपी सिंह ने अपना बयान जारी किया है। पाकिस्तान से अपने बच्चों के साथ भारत आई सीमा हैदर के पति सचिन की हत्या की खबर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इसको लेकर सीमा के वकील एपी सिंह ने अपना बयान जारी किया है। एसपी सिंह ने इस खबर को पूरी तरह से गलत बताया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया जा रहा है कि सचिन की हत्या कर दी गई है। सचिन पूरी तरह से सुरक्षित हैं, उन्हें कुछ नहीं हुआ है।

आतिशी ने सीएम केजरीवाल को सौंपी सप्लिमेंट्री रिपोर्ट, एलजी ने विचार करने से किया था मना

दिल्ली-एनसीआर

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्य सचिव नरेश कुमार की प्रथम दृष्टया मिलीभगत का आरोप लगाने वाली सतर्कता मंत्री आतिशी की रिपोर्ट पर विचार करने से इनकार कर दिया था। दिल्ली की सतर्कता मंत्री आतिशी ने बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक सप्लिमेंट्री रिपोर्ट सौंपी है। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्य सचिव नरेश कुमार की प्रथम दृष्टया मिलीभगत का आरोप लगाने वाली सतर्कता मंत्री आतिशी की रिपोर्ट पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उपराज्यपाल ने पहली रिपोर्ट पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए कहा खिलाफ कार्रवाई की थी। आतिशी की रिपोर्ट में बताया कि चीफ सेक्रेटरी ने डीएम के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया। कागज पर नूरा कुश्ती चल रही थी। सारे तथ्य जानते हुए।

जहरीली हवा से मुश्किल में दिल्लीवासियों की सांसें, फिर गंभीर श्रेणी में वायु गुणवत्ता; जानें AQI

- जिससे दिल्लीवासियों की सांसों पर संकट बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में उत्तर-पश्चिमी दिशाओं से चल रही ठंडी हवाओं के साथ पड़ोसी राज्यों से पराली का धुआं भी आ रहा है।

एनटीवी

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई क्षेत्रों में 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया है। अगले छह दिनों तक राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से राहत की उम्मीद नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब होती जा रही है। जिससे दिल्लीवासियों की सांसों पर संकट बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में उत्तर-पश्चिमी दिशाओं से चल रही ठंडी हवाओं के साथ पड़ोसी राज्यों से पराली का धुआं भी आ रहा है। साथ ही, स्थानीय कारक स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। ऐसे में अगले छह दिनों तक राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से राहत की उम्मीद नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई क्षेत्रों में 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया है। अशोक विहार में एक्यूआई 405, जहांगीरपुरी में 428, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 404, द्वारका सेक्टर 8 में 403 एक्यूआई दर्ज किया गया है। भारतीय प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली में प्रमुख सतही हवा आठ से चार किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशाओं से चलीं। दिन में धूप खिली जिससे थोड़ी राहत मिली। मंगलवार को अनुमानित अधिकतम मिक्सिंग हाइट 1400 मीटर रही। बुधवार को मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चल सकती है। दिन के समय हवा की गति चार किमी प्रति घंटे तक होगी जबकि शाम और रात के समय हवा शांत रहेगी। हवाओं का बहाव कमजोर होने से प्रदूषण के स्तर में बढ़त का अनुमान है। वहीं, बृहस्पतिवार से हवा का रुख उत्तर-पश्चिम/पूर्व दिशाओं में बदलने के बाद प्रदूषण के स्तर में तेजी से बढ़त का अनुमान है।सामान्य से दो डिग्री नीचे गिरा पारा दिल्ली-एनसीआर में चल रही ठंडी हवाओं से पारा सामान्य से दो डिग्री नीचे चला गया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से दो डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री कम है।

चमड़े पर उकेरी कठपुतलियां भाव के साथ बदलती है स्वरूप, व्यापार मेले में बना आकर्षण का केंद्र

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर इस शिल्प के बारे में महिला कलाकार ने बताया कि पहले बकरे के चमड़े को अच्छी तरह से साफ किया जाता है। इसके बाद छोटे-छोटे हिस्से बनाए जाते हैं। उन हिस्सों को रंगों से सजाकर स्वरूप दिया जाता है। ट्रेड फेयर में बकरे की खाल से बनी प्रतिमाएं - फोटो : अमर उजाला बकरे के चमड़े से तैयार जीवंत कठपुतलियां प्रगति मैदान में चल रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आकर्षक का केंद्र हैं। इसे आंध्र प्रदेश की लेपाक्षी हस्तशिल्प कहा जाता है। इसमें बकरे के चमड़े को कागज की तरह इस्तेमाल कर उसपर कठपुतलियां उकेरी जाती है। इस शिल्प के बारे में महिला कलाकार ने बताया कि पहले बकरे के चमड़े को अच्छी तरह से साफ किया जाता है। इसके बाद छोटे-छोटे

हिस्से बनाए जाते हैं। उन हिस्सों को रंगों से सजाकर स्वरूप दिया जाता है। इसके बाद इसके हाथ और पैर को धागों से जोड़ा जाता है जिस कारण यह आसानी से ऊपर-नीचे हो सकती हैं। इन्हें बनाने के दौरान रंगों का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसमें खासियत है कि हाथ-पैर को ऊपर नीचे करने पर भाव बदलने जैसी अनुभूति होती है। उत्तराखंड दिवस पर सामारोह आयोजित उत्तराखंड दिवस के अवसर पर मंगलवार को प्रगति मैदान के नाट्यशाला में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड के मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य को आगे बढ़ाने को लेकर जो सपना देखा है उसे साकार करने में हमें अपना योगदान देना चाहिए और मिलकर काम करना चाहिए। पवेलियन में 36 स्टॉल लगाए गए हैं जिनमें हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल, चम्पावत, चमोली और टिहरी जिलों के हस्तशिल्प मौजूद हैं। जस्सी के गानों पर थिरके लोग दिल्ली दिवस समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायक जसबीर जस्सी के गीतों पर लोग जमकर थिरके। जस्सी ने कार्यक्रम की शुरूआत सूफी गीत से किया। अमीर खुसरो की छाप तिलक, तोहसे नयना मिलाइके सहित अन्य गीतों से दर्शकों में जोश भरा। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इस दौरान विधायक संजीव झा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीष गुप्ता, डीएसआईआईडीसी के एमडी संजीव मित्तल सहित अन्य मौजूद रहे। इस दौरान पैरालंपिक में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।

शादी-ब्याह की धार्मिक बाधाएं दूर, चार माह बाद कल से शुरू होगा बैंड-बाजा-बरात का सिलसिला, बाजार खुश

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर बृहस्पतिवार को हजारों युवक-युवतियां परिणय सूत्र में बंधेंगे। इस दिन मुहूर्त निकलवाने की कोई आवश्यकता नहीं होती। कार्तिक मास की देवोत्थान एकादशी (देव प्रबोधिनी) के लिए राजधानी में शादी के मंडप सजने लगे हैं। बृहस्पतिवार को हजारों युवक-युवतियां परिणय सूत्र में बंधेंगे। इस दिन मुहूर्त निकलवाने की कोई आवश्यकता नहीं होती। यह दिन देवों का माना जाता है और उनका दरबार खुला होता है। ऐसे में इस दिन कोई भी कार्य करने में अड़चन नहीं होती। लिहाजा, राजधानी में बैंडबाजे व शादियों के गानों की धुन चारों ओर सुनाई देगी। करीब चार माह बाद शादी के शुभ मुहूर्त शुरू हो रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, बृहस्पतिवार को 10 हजार से अधिक शादियां हो सकती हैं। आषाढ़ माह में अमावस्या के बाद आने वाली भड्डुली नवमी को प्रतिवर्ष शादियां बंद हो जाती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन देव सो जाते हैं और कार्तिक माह में अमावस्या के बाद आने वाली देव प्रबोधिनी एकादशी को देव जग जाते हैं। इस कारण चार माह बाद शादियां शुरू होती है। ज्योतिषाचार्य दीन बंधु शास्त्री ने बताया कि देवोत्थान पर प्रत्येक कॉलोनी व गांव में दो से तीन शादियां होंगी। इस तरह दस हजार से अधिक शदियां होने का अनुमान है। ज्योतिषाचार्य प्रमोद शास्त्री ने बताया कि 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक शादियों को शुभ मुहूर्त है। 15 दिसंबर के बाद तारा डूब जाएगा और एक माह तक शादी नहीं होगी। लिहाजा, 23 नवंबर से 15 दिसंबर के मध्य शादी के लिए 13 मुहूर्त हैं। सितारों की गणना के अनुसार 23, 24, 27, 28 व 29 नवंबर और 3, 4, 7, 8, 9 व 15 दिसंबर को शादी के लिए शुभ दिन है। पंडित, घोड़ी व बैंड सब बुक शादी के लिए घोड़ी, बैंड, टैंट, कैटर्स आदि की बुकिंग काफी पहले हो चुकी है। हालत यह है कि बृहस्पतिवार को न तो राजधानी के कैटर्स खाली हैं और न ही बैंडवाले। इतना ही नहीं विवाह कराने वाले पंड़ितों की बुकिंग भी काफी पहले हो चुकी है। वहीं, आम जनता के साथ-साथ नेताओं के घर इतने निमंत्रण आए हुए हैं कि उनकी समझ में नहीं आ रहा है कि किसके यहां जाएं और किसके यहां अन्य को भेजें। देशभर में 38 लाख शादियों से बाजार में आएंगे 4.74 लाख करोड़ रुपये कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने मंगलवार को दावा किया कि बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे शादियों के सीजन के दौरान देशभर में 13 दिनों में करीब 38 लाख शादियों से बाजार में 4.74 लाख करोड़ रुपये आएंगे। शादियों के सीजन के मद्देनजर देश का व्यापारिक समुदाय उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पिछले साल इसी अवधि में लगभग 32 लाख शादियां हुईं थीं और 3.75 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान लगाया गया था।

कार्गो में ऑटो पार्ट्स लिखे बॉक्सों में मिले हथियार...जांच में सामने आया चौंकाने वाला सच

एनटीवी

मिस्त्र में इजिप्ट डिफेंस एक्सपो प्रदर्शनी को लेकर भेजे गए हथियार के बॉक्स पर ऑटो पार्ट्स का स्टीकर लगे होने से आईजीआई एयरपोर्ट पर सनसनी फैल गई। शिपमेंट की स्कैनिंग के दौरान इसमें राइफल, कारतूस, मैगजीन, लांचर जैसे हथियार मिले। इसके बाद एयरपोर्ट पर मौजूद सुरक्षा एजेंसियों की जांच में पता चला कि ऐसा लापरवाही से हुआ है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। हालांकि, एयरपोर्ट थाना पुलिस ने हथियार भेजने वाले एजेंसी के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि काहिरा में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी में भारत की एक कंपनी हिस्सा ले रही है। कंपनी ने इसके लिए कानपुर स्थित

एक कंपनी से हथियार एकत्र किए। इसे बेंगलूरू भेजना था। यहां से शिपमेंट काहिरा जानी थी। बेंगलूरू भेजे जाने वाले शिपमेंट की कार्गो एरिया में जांच की गई तो नौ बॉक्स पर ऑटो पार्ट्स लिखा हुआ था, लेकिन जब बॉक्सों को एक्सरे मशीन से गुजारा गया तो पेन, डायरी व विजिटिंग कार्ड के बीच हथियार रखे जाने की बात सामने आई। सभी बॉक्सों को खोला गया तो राइफल, कारतूस, मैगजीन, लांचर मिले। जांच के दौरान पता चला कि कानपुर से शिपमेंट भेजे जाने के बाद दूसरी एजेंसी को अंतिम तौर पर इसे सौंपा गया था। शुरूआती तौर पर कंपनी के कर्मचारियों की लापरवाही मानी जा रही है।

ठंडी हवाओं के साथ पराली के धुएं ने की आबोहवा खराब, कई इलाकों का AQI 'गंभीर' श्रेणी में

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर स्थानीय कारक स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। ऐसे में अगले छह दिनों तक राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से राहत की उम्मीद नहीं है। दिल्ली-एनसीआर में उत्तर-पश्चिमी दिशाओं से चल रही ठंडी हवाओं के साथ पड़ोसी राज्यों से पराली का धुआं भी आ रहा है। साथ ही, स्थानीय कारक स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। ऐसे में अगले छह दिनों तक राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से राहत की उम्मीद नहीं है। इस दौरान प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है। आज सवेरे भी कई इलाकों का अदक 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया है। आज अशोक विहार में 405, जहांगीरपुरी में 428, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 404 और द्वारका सेक्टर 8 में 403 अदकरिकॉर्ड किया गया है। भारतीय प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली में प्रमुख सतही हवा आठ से चार किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशाओं से चलीं। दिन में धूप खिली जिससे थोड़ी राहत मिली। मंगलवार को अनुमानित अधिकतम मिक्सिंग हाइट 1400 मीटर रही। बुधवार को मुख्य सतही हवा उत्तर-

पश्चिम दिशा से चल सकती है। दिन के समय हवा की गति चार किमी प्रति घंटे तक होगी जबकि शाम और रात के समय हवा शांत रहेगी। हवाओं का बहाव कमजोर होने से प्रदूषण के स्तर में बढ़त का अनुमान है। सुबह के समय आसमान साफ रह सकता है। हालांकि हल्का कोहरा भी रहेगा जो प्रदूषण के स्तर को मामूली स्तर पर बढ़ा सकता है। वहीं, बृहस्पतिवार से हवा का रुख उत्तर-पश्चिम/पूर्व दिशाओं में बदलने के बाद प्रदूषण के स्तर में तेजी से बढ़त का अनुमान है। ग्रेटर नोएडा सबसे साफ

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेटर नोएडा सबसे साफ रहा। यहां प्रदूषण का स्तर 304 दर्ज किया गया जो बेहद खराब श्रेणी है। दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित रही। यहां प्रदूषण का स्तर 372 रहा। यह भी बेहद खराब श्रेणी में है। इसके अलावा फरीदाबाद का 322, गाजियाबाद का 346, गुरुग्राम का 331 और नोएडा का 330 दर्ज किया गया। दिल्ली के सात केंद्रों पर 400 पार दिल्ली के 36 में से सात केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर 400 से अधिक दर्ज किया गया। इनमें पंजाबी बाग में 408, नेहरू नगर में 402, जहांगीरपुरी में 407, रोहिणी में 402, वजीरपुर में 402, बवाना में 431 और मुंडका में 420 प्रदूषण सूचकांक दर्ज किया गया। सामान्य से दो डिग्री नीचे गिरा पारा दिल्ली-एनसीआर में चल रही ठंडी हवाओं से पारा सामान्य से दो डिग्री नीचे चला गया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

घर से पास होगा स्कूल तो नर्सरी एडमिशन की राह होगी आसान, स्कूलों ने जारी किए मानदंड

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर नर्सरी में आवेदन करने वाले छात्रों का दाखिला अब घर से स्कूल की दूरी के आधार पर तय किया जाएगा। जितना नजदीक स्कूल होगा उतनी ही ज्यादा दाखिले की संभावना होगी। इसके लिए स्कूल प्रशासन गूगल मैप से दूरी का पता करेगा और इसी आधार पर अंक दिए जाएंगे। दिल्ली के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में नर्सरी में दाखिले की दौड़ बृहस्पतिवार से शुरू हो जाएगी। इसके तहत अभिभावक कुछ स्कूलों में ऑनलाइन तो कुछ में ऑफलाइन आवेदन कर सकेंगे। दाखिले में छात्रों के लिए स्कूलों ने दूरी मानक को सबसे अहम बनाया है। छात्रों को एक से तीन किमी तक की दूरी पर 50 से 80 के बीच नंबर दिए जाएंगे। मयूर विहार फेज-3 स्थित विद्या बाल भवन स्कूल में सिंगल गर्ल चाइल्ड, पूर्व छात्र समेत कई श्रेणी में अंक दिए हैं। इसमें घर से दूरी के लिए 70 से 50 अंक मिलेंगे। भाई-बहन के लिए 10 अंक, सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए 10 अंक तय किए गए हैं। एक स्कूल के अधिकारी ने बताया कि स्कूल में एक किमी तक की दूरी के लिए 70 व एक से आठ किमी तक के लिए 60 और आठ किमी से अधिक दूरी के लिए

50 और पूर्व छात्र होने पर 10 अंक दिए जाएंगे। गूगल मैप से निकाली जाएगी स्कूलों से घर की दूरी नर्सरी में आवेदन करने वाले छात्रों का दाखिला अब घर से स्कूल की दूरी के आधार पर तय किया जाएगा। जितना नजदीक स्कूल होगा उतनी ही ज्यादा दाखिले की संभावना होगी। इसके लिए स्कूल प्रशासन गूगल मैप से दूरी का पता करेगा और इसी आधार पर अंक दिए जाएंगे। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी परिपत्र के मुताबिक स्कूलों ने पड़ोसी, भाई-बहन, पहला बच्चा, जुड़वा लड़कियां, स्टाफ वार्ड के बच्चे सहित कई दूसरे मानदंडो को शामिल किया है। इसमें सबसे ज्यादा अंक नेबरहुड को मिलेंगे। दाखि में पारदार्शिता रखने की अपील दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने मंगलवार को शैक्षणिक सत्र 2024-25 में नर्सरी, केजी व पहली कक्षाओं के दाखिलों को पारदर्शी रखने की अपील की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन ने कहा कि कुछ स्कूलों ने स्टाफ कोटे के नाम पर सामान्य श्रेणी के दाखिलों में कटौती करने का प्रयास किया है। 29 दिसंबर तक जारी करनी होगी सूची शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि आवेदन करने वाले छात्रों की सूची 29 दिसंबर तक जारी करनी होगी और पांच जनवरी तक बच्चों के नंबर अपलोड करने होंगे। वहीं, 29 जनवरी को चयनित छात्रों की दूसरी सूची रिलीज होगी और इसका 31 जनवरी को समस्या का समाधान कराया जाएगा। बच्चियों को प्राथमिकता व परिवहन के जुड़ेंगे अंक नर्सरी कक्षा में दाखिला के लिए कई स्कूल ऐसे है, जिन्होंने लड़कियों के लिए अलग से मानदंड तय किए हैं। इसमें 10-20 के बीच अंक निर्धारित किए गए हैं। वहीं, इस बार स्कूल परिवहन के भी अंक मानदंड में जोड़ रहा है। इसमें छात्रों को 10 अंक दिए जाएंगे। अब तक 808 स्कूलों ने अपलोड किए मानदंड शिक्षा निदेशालय की ओर से दिल्ली के सभी स्कूलों को सोमवार तक नर्सरी दाखिला मानदंड अपलोड करने का निर्देश दिया गया था। लेकिन मंगलवार शाम तक केवल 808 स्कूलों ने ही दाखिला मानदंड अपलोड किए हैं। जबकि 923 स्कूलों ने मानदंड जारी नहीं किया है। पूर्वी दिल्ली के 143 में से 64 स्कूलों ने, पश्चिमी जिले के 295 में से 164 स्कूलों ने, उत्तरी दिल्ली के 735 से 294 स्कूलों ने, दक्षिणी दिल्ली के 518 में से 256 स्कूलों ने, सेंट्रल दिल्ली में 26 में से 17 स्कूलों ने और नई दिल्ली जिले में 14 में से 13 स्कूलों ने मानदंड जारी कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

धूल उड़ने पर पीसीबी ने नगर निगम पर 50 हजार का लगाया जुमार्ना

साहिबाबाद। ग्रैप लागू होने के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने पर प्रदूषण बोर्ड ने नगर निगम पर 50 हजार एवं पटेल नगर थर्ड स्थित वीए टेक वबाग पर 25 लाख जुमार्ना लगाए जाने की संस्तुति की है। पर्यावरण नियंत्रण के क्षेत्रीय अधिकारी की ओर से दोनों के खिलाफ जुमार्ना लगाने की संस्तुति के साथ मौके पर लिए गए तस्वीर भी उप जिलाधिकारी को भेज दी है। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि नगर निगम की ओर से ऊर्जा मार्ग पर पानी की पाइपलाइन डालने के लिए खोदाई करने के दौरान धूल उड़ने से कोई बचाव नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि नगर निगम की शिकायत स्थानीय लोगों ने की थी, जिसके बाद मौके पर निरीक्षण के दौरान शिकायत सही पाई गई। निरीक्षण करने पहुंची टीम ने मौके से सबूत के तौर पर फोटो भी ली। इसी तरह वीए टेक वबाग लिमिटेड जी-89 पर भी ग्रैप के नियमों का उल्लंघन के लिए 25 लाख का जुमार्ना लगाया गया है। इस संस्था को नगर निगम की ओर से 56 एमएलडी एसटीपी से पानी की सप्लाई के लिए इंदिरापुरम से साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने का कार्य सौंपा गया है। संस्था की ओर से यह कार्य करते हुए वायु प्रदूषण रोकने के लिए कोई व्यवस्था नहीं करते पाया गया। इसकी वजह से अत्यधिक धूल उत्सर्जित होते हुए पाया गया, जिससे आसपास के परिवेश में वायु गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। वायु गुणवत्ता खराब करने का दोषी पाते हुए विभाग ने संस्था पर 25 लाख के जुमार्ने की संस्तुति की है।

सिक्योरिटी गार्ड ने छात्र के साथ की अश्लील हरकत, गिरफ्तार

मुरादनगर। सिक्योरिटी गार्ड द्वारा कक्षा नौ के छात्र के साथ अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी ने छात्र के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं दोबारा आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर छात्र को बंधक बनाकर पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक कॉलोनी निवासी महिला के पति की मौत हो चुकी है, वह अपने 13 वर्ष के बेटे के साथ रहती हैं।कॉलोनी में छात्र साइकिल चला रहा था। आरोप है कि इसी बीच कॉलोनी में रहने वाले सिक्योरिटी गार्ड सूरजपाल जबरदस्ती छात्र को अपने साथ सुनसान स्थान पर ले गया।
वहां छात्र के साथ अश्लील हरकत की। विरोध करने पर आरोपी ने छात्र के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं किसी को बताने पर मां समेत जान से मारने की धमकी दी। छात्र ने अपनी मां को आपबीती बताई।
पीड़ित की मां आरोपी के घर जाकर उसकी पत्नी से शिकायत की। सोमवार सुबह छात्र दोबारा कॉलोनी से निकला तो आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर उसे अपने घर में खींच लिया। दंपती ने छात्र को पीटा तो चीख सुनकर मौके पर कॉलोनी के लोगों का आता देख आरोपी घर से भाग गए। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि तहरीर पर कुकर्म, मारपीट व पॉस्को एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी सिक्योरिटी गार्ड सूरजपाल को गिरफ्तार कर लिया है, आरोपी की पत्नी की तलाश जा रही है।

निगम बोर्ड के मना करने पर भी सर्वे के आधार पर भेज रहे बिल

- नगर निगम बोर्ड ने इस सर्वे को खारिज कर अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट के आधार पर संपति कर न भेजने के निर्देश दिए थे। बढ़े बिलों को कम करने में हो रही।

एनटीवी

गाजियाबाद। शहर में जीआईएस सर्वे के आधार पर भवन मालिकों को संपत्तिकर के बिल भेजने पर तकरार और बढ़ गई है। संपत्तिकर के बिलों में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां मिलने पर नगर निगम बोर्ड जीआईएस सर्वे की रिपोर्ट को खारिज कर इसके आधार पर बिल न भेजने के निर्देश दे चुका है लेकिन अधिकारी अभी भी इसी सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर ही अब तक तकरीबन 1.50 लाख भवन मालिकों से संपत्तिकर की वसूली के लिए बिल भेज दिए हैं। महापौर सुनीता दयाल ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। वह अब मुख्यमंत्री और नगर विकास मंत्री को इस सर्वे की रिपोर्ट में मिल रहीं गड़बड़ियों के सुबूतों के साथ इसे खारिज करने के लिए पत्र भेजेंगी। निगम सीमा में बने भवनों पर नए सिरे से संपत्तिकर का निर्धारण करने और छूटे भवनों को चिह्नित करने के लिए करीब चार साल पूर्व शासन ने जीआईएस सर्वे कराने का निर्णय लिया था। इस सर्वे के लिए शासन स्तर पर ही फर्म चयनित कर दी गई थी और भुगतान भी शासन की ओर से किया गया।

करीब एक साल पहले से इस फर्म ने सर्वे रिपोर्ट के आधार पर भवनों को संपत्तिकर के बिल भेजने शुरू कर दिए थे। इन बिलों में भारी गड़बड़ियां पाई गई हैं। अधिकांश भवनों की पैमाइश गलत दर्शाकर उन्हें बढ़ा बिल भेज दिया गया है, जबकि कुछ भवनों का संपत्तिकर कम कर दिया गया है। लगातार शिकायतें मिलने पर बीते दिनों नगर निगम बोर्ड ने इस सर्वे को खारिज कर अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट के आधार पर संपत्ति कर न भेजने के निर्देश दिए थे। बढ़े बिलों को कम करने में हो रही अवैध वसूली नगर निगम कार्यकारिणी समिति के सदस्य व कांग्रेस पार्षद अजय शर्मा का कहना है कि जीआईएस सर्वे के आधार पर पहले भवनों को बढ़े हुए संपत्तिकर का बिल भेजा जाता है और फिर उसे कम करने की एवज में अवैध वसूली की जा रही है। कई मामले ऐसे पकड़ में आ चुके हैं जिनमें रुपयों का लेनदेन हुआ है। वार्ड-91 के पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल ने बताया कि कविनगर में किसी एक लेन में सभी प्लॉट एक साइज के हैं। जीआईएस सर्वे में इन प्लॉटों का क्षेत्रफल भी अलग-अलग दशार्या गया है। मैंने अपने कार्यकाल में यह मुद्दा उठाया था। निगम अधिकारियों ने शिकायतों को अनदेखा कर दिया और क्षेत्र में संपत्तिकर के डिमांड नोटिस भेज दिए। सर्वे में भारी त्रुटियां हैं।

कांस्टेबल की मौत के बाद पति ने चेन्नई में की आत्महत्या

गाजियाबाद। वेव सिटी क्षेत्र की अर्बन होम सोसायटी में एक फ्लैट में रविवार को फंदे से लटकी मिली महिला सिपाही शीतल की मौत के बाद उसके पति देवरथ ने भी चेन्नई में आत्महत्या कर ली है। पुलिस को इसकी जानकारी शीतल के मोबाइल पर आई फोन कॉल्स से हुई। मामले में कांस्टेबल शीतल के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देते हुए कोई भी कार्रवाई नहीं करने की बात कही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शीतल के पति देवरथ ने रविवार को शीतल को फोन किया तो उसने नहीं उठाया। इसके बाद पति ने सिक्योरिटी कार्यालय में फोन कर फ्लैट में देखने को कहा तो वहां शीतल फंदे से लटकी मिली। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल का कहना है कि शीतल के पति की मौत के मामले में चेन्नई पुलिस जांच कर रही है। जांच कर मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना से दो दिन पहले शीतल के साथियों ने कराई थी दोनों की बात शीतल एसीपी मसूरी के कार्यालय में तैनात थी। घटना से दो दिन पहले बात शीतल के बात नहीं करने पर देवरथ ने कॉल की थी। जहां शीतल के साथियों ने दोनों की बात भी करवाई थी। उनकी शादी दो साल पहले हुई थी। बिजनौर की रहने वाली शीतल 2016 में भर्ती हुई थी।

वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक संपन्न हुई

एनटीवी

आज दिनांक 22, 11, 2023 को बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति करीमनगर कटियार विकासखंड राजापुर जनपद गाजियाबाद पर वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक संपन्न हुई, आज की इस बैठक के मुख्य अतिथि सहकारीता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चैयरमैन अमर जीत सिंह बिड्डी रहे, मीटिंग की अध्यक्षता मुंशी वाजिद अली ने की और संचालन मो. असलम समिति के सभापति द्वारा किया गया समिति के सचिव सुनील कुमार ने समिति की आगामी योजनाओं के बारे में बताया चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने किसानों से कहा की समिति में ज्यादा से ज्यादा किसानों को जुड़कर योजनाओं का लाभ लेना चाहिए और कहा की जो किसान समिति से ऋण लेते हैं उन्हें समय से ऋण जमा करना चाहिए, और सभापति मो. असलम द्वारा किसानों को अवगत कराया गया किसी भी कृषक की कोई समस्या हो तो हमें बताएं उसका समाधान किया जाएगा, इस अवसर पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, सभापति मो असलम, संचालक सदस्य वाजिद अली, अकरम अली, शहजाद अली, मंगल सेन उर्फ टिंकू, श्रीमती राजेश सुधीर व समिति के सचिव सुनील कुमार व सहयोगी अमित कुमार के अलावा ऋषिपाल सिंह, राशिद त्यागी, सलमान, मुकर्रम, सैफ अली, आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

दूध कारोबारी की पत्नी घर में करा रही देह व्यापार, चार गिरफ्तार

एनटीवी

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के सैन विहार में पुलिस ने एक मकान में चल रहे देह व्यापार का मंगलवार को भंडाफोड़ किया है। जांच में पता चला कि एक दूध कारोबारी की पत्नी अपने ही घर में देह व्यापार करा रही थी। आसपास के लोगों ने मकान में संदिग्ध गतिविधियां होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छापा मारा तो आपत्तिजनक वस्तुएं मिली। पुलिस ने कारोबारी की पत्नी समेत तीन महिला और एक युवक को गिरफ्तार किया है। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के सैन विहार में एक मकान में देह व्यापार का चल रहा है। इससे जहां माहौल खराब हो रहा है, वहीं बच्चों पर भी गलत असर पड़ रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां अफरातफरी मच गई। मकान में मौजूद तीन महिला और एक युवक वहां से भागने का प्रयास करने लगे। जिनको पकड़ लिया गया। एसीपी ने बताया कि पकड़ी गई महिलाओं में दूध कारोबारी की पत्नी भी शामिल है, जबकि दो अन्य महिलाएं सैन विहार की ही रहने वाली हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़ी गई महिलाओं में एक महिला छत्तीसगढ़ की रहने वाली है, लेकिन वर्तमान में वह परिवार समेत सैन विहार में रह रही है, जबकि दूसरी महिला भी सैन विहार में रहती है। दूध कारोबारी अपनी पत्नी से अलग रहता है। पूछताछ में पता चला है कि कारोबारी की पत्नी दोनों महिलाओं से मकान में शरण देने के नाम पर कुछ रकम लेती थी, जबकि अन्य रकम दोनों महिलाएं रखती थी। एसीपी का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। हिंदू रक्षा दल के कार्यकताओं ने भी किया हंगामा मोहल्ले में देह व्यापार की सूचना मिलने पर हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। कार्यकताओं ने मौके पर हंगामा किया। इसकी सूचना पुलिस को मिली इसके बाद पुलिस हरकत में आई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने छापा मारकर कार्रवाई की। उसके बाद सभी वापस लौटे।

बॉर्डर पर रात को दस बजे के बाद बेचते थे शराब, तीन गिरफ्तार

साहिबाबाद। कौशांबी में ईडीएम मॉल के पास बॉर्डर पर रात को दस बजे के बाद शराब बेचने वालों का आबकारी और कौशांबी थाना पुलिस ने मंगलवार को भंडाफोड़ किया। पुलिस ने देशी-विदेशी शराब व स्कूटी के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि तीन दिन पहले बॉर्डर पर रात में शराब बेचने की जानकारी मिली थी। टीम ने सोमवार देर रात को जांच की तो ईडीएम मॉल के पास भोवापुर में एक गुमटी व किराये के मकान में शराब बेची जा रही थी। टीम ने घेराबंदी कर 32 वर्षीय सौरभ निवासी बीडीबीए फ्लैट गाजीपुर दिल्ली, 27 वर्षीय अमित प्रताप सिंह निवासी भोवापुर व 23 वर्षीय सुमित सिंह निवासी वैशाली सेक्टर-तीन को गिरफ्तार किया। वह रात को ठेके बंद होने पर ओवररेट पर शराब बेचते थे। देशी मांगने वालों को यूपी ब्रांड की तो विदेशी मांगने पर दिल्ली जबकि विदेशी मदिरा के 302 पौव्वे, बीयर की 139 कैन एंव देशी शराब के 216 पौव्वे बरामद हुई।

बॉर्डर पर रात को दस बजे के बाद बेचते थे शराब, तीन गिरफ्तार

साहिबाबाद। कौशांबी में ईडीएम मॉल के पास बॉर्डर पर रात को दस बजे के बाद शराब बेचने वालों का आबकारी और कौशांबी थाना पुलिस ने मंगलवार को भंडाफोड़ किया। पुलिस ने देशी-विदेशी शराब व स्कूटी के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि तीन दिन पहले बॉर्डर पर रात में शराब बेचने की जानकारी मिली थी। टीम ने सोमवार देर रात को जांच की तो ईडीएम मॉल के पास भोवापुर में एक गुमटी व किराये के मकान में शराब बेची जा रही थी। टीम ने घेराबंदी कर 32 वर्षीय सौरभ निवासी बीडीबीए फ्लैट गाजीपुर दिल्ली, 27 वर्षीय अमित प्रताप सिंह निवासी भोवापुर व 23 वर्षीय सुमित सिंह निवासी वैशाली सेक्टर-तीन को गिरफ्तार किया। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वह झंडापुर के रहने वाले राकेश के कहने पर काम कर रहे थे। राकेश की ओर से हर दिन एक हजार रुपये दिए जाते थे। वह रात को ठेके बंद होने पर ओवररेट पर शराब बेचते थे। देशी मांगने वालों को यूपी ब्रांड की तो विदेशी मांगने पर दिल्ली व हरियाणा मार्का शराब उपलब्ध कराते थे।

शादी का झांसा देकर चिकित्सक ने युवती से किया दुष्कर्म

- शादी की तारीख जून की तय हुई। इसी बीच अमित से उसके परिजनों ने दहेज में 25 लाख रुपये और स्कॉर्पियो कार की मांग की।

एनटीवी

गाजियाबाद। कविनगर क्षेत्र के राजनगर की रहने वाली एक युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामना आया है। आरोप चिकित्सक अमित यादव पर है जो एम्स में चिकित्सक है और वहां से पीएचडी की पढ़ाई कर रहा है। अमित यादव हरियाणा के महेंद्रगढ़ के गांव नीरपुर का रहने वाला है। युवती ने मामले में दो नवंबर को कविनगर थाने मुकदमा दर्ज कराया था। कविनगर पुलिस ने अमित यादव को मंगलवार को दिल्ली के हौज खास से गिरफ्तार कर लिया है। युवती ने कविनगर थाने में अमित यादव समेत 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि मार्च 2023 में एक मेट्रीमोनियल साइट से उनके पिता से अमित यादव के परिजनों ने संपर्क कर रिश्ते की बात की थी। इसके बाद उनको दिखाया गया और रिश्ता तय हो गया। शादी की तारीख जून की तय हुई। इसी बीच अमित से उसके परिजनों ने दहेज में 25 लाख रुपये और स्कॉर्पियो कार की मांग की। मांग पूरी नहीं करने पर अमित यादव ने परीक्षा व अन्य बहाना बनाकर रिश्ता आगे टाल दिया। इसी बीच वह उनके घर आया और अकेला पाकर अपने बहनोई के साथ मिलकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर बेहोशी की हालत में उनके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो भी बना ली। वीडियो फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसने उनके साथ कई बार संबंध बनाए। इसी बीच वह गर्भवती हो गई। उन्होंने इस संबंध में उससे बात की तो उसने गर्भपात करने का दबाव बनाया। उन्होंने विरोध किया तो उसने धोखे से गर्भपात करने की दवा खिला दी। इसके बाद शादी करने से इन्कार कर दिया। परेशान होकर उन्होंने कविनगर थाने में अमित यादव, हैप्पी यादव, सोनू, कृष्ण यादव, वंदना, सुरेश यादव, ओमपाल यादव, वीरेंद्र आर्य समेत 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि युवती का मेडिकल परीक्षण और बयान दर्ज कराकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विला बेचने के नाम पर खरीदारों के लाखों रुपये हड़पकर भागा मैनेजर...

- शादी की तारीख जून की तय हुई। इसी बीच अमित से उसके परिजनों ने दहेज में 25 लाख रुपये और स्कॉर्पियो कार की मांग की।

एनटीवी

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में लक्ष्मी विला परियोजना बनाने के नाम पर मै. एसेंट डेवेलप्वेल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में कार्यरत जनरल मैनेजर सन्नी मिगलानी खरीदारों के विला बुक करके लाखों रुपये कंपनी के नाम पर ऐंठ कर भाग गया। खरीदारों ने जब कंपनी से विला पर कब्जा देने का दबाव बनाया तो उन्हें इस धोखाधड़ी का पता चला। मामले में कंपनी के पदाधिकारी धर्मेंद्र चौधरी ने नंदग्राम थाने पर सन्नी मिगलानी और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। धर्मेंद्र चौधरी का कहना है कि सन्नी मिगलानी दिल्ली के आइपी एक्सटेंशन स्थित नवक्रांति अपार्टमेंट का रहने वाला है। वह कंपनी में 12 साल से कार्यरत था। वह 13 जून 2023 को आखिरी बार कंपनी के नोएडा स्थित कार्यालय गया था। इसके बाद उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। कुछ समय पहले ही जब कुछ लोगों विला की बुकिंग कराने वालों ने कंपनी में संपर्क कर बताया कि सन्नी ने विला व प्लाट बेचने के लिए उनसे नकद और ऑनलाइन माध्यम से रुपये लिए हैं। इसके बदले में अलाटमेंट लेटर और भुगतान की रसीद भी दी है लेकिन वह कंपनी की जानकारी में नहीं था। धर्मेंद्र चौधरी का कहना है कि सन्नी ने ग्राहकों को जो अलाटमेंट लेटर और भुगतान की रसीद दी है, वह फर्जी है। कंपनी के नाम पर सन्नी ने ग्राहकों से 15 से 70 लाख रुपये तक ऐंठे हैं। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

108 दिन बाद कब्र से निकाली गई लाश, जानिए आखिर क्यों उठाया गया ऐसा कदम

एनटीवी

बुधवार को जिलाधिकारी के आदेश पर एसडीएम राकेश कुमार की मौजूदगी में शव को 108 दिन बाद कब्र से निकाला गया। परिजनों ने एक महीने पहले मुकदमा दर्ज कराया था।

बुलंदशहर के खुर्जा के मुंडाखेड़ा नगर में दो अगस्त को डूबे फैज की हत्या के आरोप में शव को पोस्टमार्टम जांच के लिए भेजा गया। बुधवार को जिलाधिकारी के आदेश पर एसडीएम राकेश कुमार की मौजूदगी में शव को 108 दिन बाद कब्र से निकाला गया। परिजनों ने एक महीने पहले मुकदमा दर्ज कराया था।

कोतवाली क्षेत्र की खीरखानी मोहल्ला निवासी कल्लो ने बताया कि दो अगस्त को उसके 18 वर्षीय बेटे फैज की मुंडाखेड़ा नहर में धक्का देकर दोस्त अयान ने हत्या कर दी थी, जिसका शव दो दिन बाद चार अगस्त को पलड़ा झाल में मिला था। मामले में पीड़िता ने उस वक्त पुलिस से पोस्टमार्टम की मांग की थी, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हो सकी।

बिन पोस्टमार्टम के ग्रामीण व रिश्तेदारों ने उसके बेटे को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया था। इसके बाद पीड़िता ने थाने, सीओ कार्यालय और बुलंदशहर एसएसपी कार्यालय में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की तो पोस्टमार्टम नहीं कराने का कारण पूछा। इसके बाद पीड़िता ने पोस्टमार्टम की भी मांग की। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो सकी।

इसके बाद पीड़िता ने प्रयागराज में स्थित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। घटना के 77 दिन बाद न्यायालय के आदेश पर 21 अक्तूबर को पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ। इसमें मृतक फैज का दोस्त अयान, उसका पिता शफीक, रफीक, अतीत और अयान की मां रेश्मा के खिलाफ बलवा, हत्या और योजना बनाने के

किरायेदारों ने बिजली का बिल चुकाए बगैर ही मकान बदल लिया है, उन्होंने अपना अलग कनेक्शन ले रखा था

- सभी के मकान मालिकों से शपथ पत्र लिए जा रहे हैं। शपथ पत्र में लिखकर देना है कि अगर किरायेदार ने बिल जमा नहीं किया तो वह यानी मकान मालिक करेगा।

एनटीवी

गाजियाबाद। जनपद में 32,00 किरायेदारों ने बिजली का बिल चुकाए बगैर ही मकान बदल लिया है। उन्होंने अपना अलग कनेक्शन ले रखा था। अब उनके बिल की वसूली मकान मालिकों से की जाएगी। कुल बकाया राशि 20 लाख रुपये है। ऊर्जा निगम नोटिस जारी कर चुका है। अब वसूली के लिए सभी मामले तहसील को भेजे जा रहे हैं। किरायेदारों पर बकाया का बिल का पता ही तब चला जब वसूली के लिए नोटिस भेजे गए। सभी वापस आ गए। हर जगह से एक जैसा जवाब मिला, यह कनेक्शन किरायेदार के नाम था, वह जा चुका है। इस पर अफसरों ने सभी बकायेदार किरायेदारों के मकान मालिकों की सूची बनाई और उनके नाम नोटिस जारी कर दिए। इनमें लोनी में 1500, मोदीनगर में 700 और मुरादनगर के 1000 उपभोक्ता हैं। इससे पहले भी तीन हजार ऐसे मामले आ चुके हैं। गारंटी ली है, तो बिल चुकाना होगा गाजियाबाद के जोन एक के मुख्य अभियंता नीरज स्वरूप का कहना है कि किरायेदारों को अलग से कनेक्शन मकान मालिक की गारंटी पर दिया जाता है। अब किरायेदार बिल चुकाए बगैर चले गए हैं और मिल नहीं रहे हैं तो वसूली गारंटर यानी मकान मालिक से की जा रही है। पांच हजार किरायेदारों ने ले रखे हैं कनेक्शन ऊर्जा निगम ने ऐसे किरायेदारों की सूची बनाई है जिन्होंने अपना अलग से कनेक्शन ले रखा है। उनकी संख्या पांच हजार मिली है। सभी के मकान मालिकों से शपथ पत्र लिए जा रहे हैं। शपथ पत्र में लिखकर देना है कि अगर किरायेदार ने बिल जमा नहीं किया तो वह यानी मकान मालिक करेगा।

वसूली के लिए तेज होगा अभियान गाजियाबाद। ऊर्जा निगम का एक लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं पर 430 करोड़ रुपये बकाया है। इसकी वसूली के लिए अभियान को अब तेज किया जाएगा। बकायेदारों की सूची बनाकर कनेक्शन काटे जाएंगे। 10 हजार रुपये तक के दो लाख बकायेदार हैं। इनमें से अधिकतर लोनी क्षेत्र के ग्रामीण उपभोक्ता हैं। इन लोगों को कॉल कर बिल जमा कराए जाने के लिए कहा जा रहा है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम ने गाजियाबाद जोन को बकाया वसूली में तेजी लाने और धनराशि का 60 प्रतिशत वसूलने के लिए निर्देशित किया है। संवाद बकाया वसूलने की प्रक्रिया एक महीने से अधिक समय होने पर बकाया ना देने वालों का विद्युत कनेक्शन काटा जाता है।

चादर की गिनती को लेकर दो पक्षों में पथराव, एक की हुई मौत; चार लोग घायल

एनटीवी ,हापुड़

पिलखुवा के सिखेड़ा गांव में मंगलवार की रात दो पक्षों में पत्थर हुआ, जिसमें 60 वर्षीय रहीसुद्दीन की मौत हो गई। जबकि महिला समेत चार लोग घायल हो गए हैं। पिलखुवा के सिखेड़ा गांव में मंगलवार की रात दो पक्षों में पत्थर हुआ, जिसमें 60 वर्षीय रहीसुद्दीन की मौत हो गई। जबकि महिला समेत चार लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तीन को गिरफ्तार किया है। सिखेड़ा निवासी रईसुद्दीन टेलर का काम करता है, जबकि उसके बेटे सुल्तान के बच्चे चादरों की छटनी का काम करते हैं। रईसुद्दीन का चचेरा भाई रफीकुद्दीन भी यही कार्य करता है। रफीकुद्दीन ने सुल्तान के बच्चों को 20 चादर छ्टनी करने के लिए दी, उन्हें सही कर रफीकुद्दीन को वापस कर दिया गया। आरोप है कि 20 के स्थान पर 18 चादर वापस की गई। जिसको लेकर दोनों पक्षों में कहांसनी के बाद मारपीट और फिर पथराव हुआ। जिसमें रहसूद्दीन, सुल्तान, शौकीन, रशीद और महिला जीमत घायल हो गए। देर रात रईसुद्दीन ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

मॉडर्न कारों में कंपनियां देती हैं ये पांच बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स, मिलती है हादसों से सुरक्षा

एनटीवी

भारतीय बाजार में कंपनियों की ओर से कई बेहतरीन फीचर्स के साथ कारों को ऑफर किया जाता है। लेकिन इन कारों में कौन से सेफ्टी फीचर्स दिए जाते हैं। आइए जानते हैं। देश में कारों को लगातार सुरक्षित बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी क्रम में कंपनियों की ओर से कारों में कई उपयोगी सेफ्टी फीचर्स को भी दिया जाता है। हम इस खबर में आपको कुछ ऐसे फीचर्स की जानकारी दे रहे हैं, जिनको कंपनियों की ओर से हर वैरिएंट में ऑफर किया जाने लगा है। एयरबैग से सुरक्षा आजकल सभी तरह की कारों में कंपनियों की ओर से सुरक्षा के लिए कम से कम दो एयरबैग दिए जाते हैं। लेकिन कुछ कारों में कंपनियों की ओर से छह, सात और इससे ज्यादा एयरबैग भी सुरक्षा के लिए दिए जाते हैं। एयरबैग का काम दुर्घटना के समय कार सवार यात्रियों को बचाना होता है। ये हादसे के समय डैशबोर्ड, स्टीयरिंग और विंडशील्ड के साथ होने वाली टक्कर से बचाते हैं। हादसा होते ही

एयरबैग कुछ सेंकेंड्स में ही खुल जाते हैं और यात्री के सामने एक गद्देदार दीवार बना देते हैं।

सीटबेल्ट से सुरक्षा

सभी कारों में सीट बेल्ट को भी दिया जाता है। जिससे हादसे के समय यात्रियों को सुरक्षित रहने में मदद मिलती है। कुछ सालों पहले तक कारों में टू पाइंट सीटबेल्ट दी जाती थी, लेकिन अब सभी कारों में थ्री पाइंट सीट बेल्ट को दिया जाता है जिनसे सुरक्षा भी ज्यादा होती है। कार क्रैश हो या फिर कार पलट जाए, ऐसी स्थिति में सीट बेल्ट यात्री को अपनी जगह पर रहने में मदद करती है जिससे चोट लगने का खतरा काफी कम हो जाता है।

एंटी लॉक ब्रेकिंग

एबीएस का मतलब होता है एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम। एबीएस जिस कार में नहीं होता उनका व्हील घूमना बंद कर सकता है या फिर तेज ब्रेकिंग के समय लॉक अप भी हो सकता है। जिससे कार के स्किड करने का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन अगर कार में एबीएस जैसे सेफ्टी फीचर को दिया जाता है तो इससे हादसे को टालने में मदद मिलती है। ये सिस्टम कार के सभी पहियों पर लगा होता है जिसका काम इसकी जानकारी लेना होता है कि तेज ब्रेक लगाने के दौरान व्हील को कब लॉक किया जाए। एबीएस ब्रेक प्रैशर को रिलीज करता है और उसे फिर से लगाता है। यह प्रक्रिया बेहद कम समय में कई बार हो सकती है। इसके ही कारण कार पर ड्राइवर कंट्रोल बनाए रखता है। इसके अलावा कार मोड़ते समय और गीली सड़कों पर भी ब्रेक लगाते समय ये काम आता है।

ईबीडी से भी मिलती है सुरक्षा

ईबीडी का मतलब होता है इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन। यह सेफ्टी फीचर एबीएस के साथ मिलकर ज्यादा प्रभावी तरीके से सुरक्षा देने का काम करता है। इससे अलग-अलग व्हील पर ब्रेकिंग फोर्स लगाया जा सकता है। अगर आप किसी कॉर्नर पर ब्रेक लगाते हैं तो बाहर के पहियों को अंदर के पहियों के मुकाबले ज्यादा बेहतर ग्रिप मिलेगी क्योंकि ईबीडी इन टायरों पर ज्यादा बेहतर तरीके से ब्रेकिंग फोर्स देगा।

इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम

इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम यानि ईएसपी को भी कंपनियों की ओर से कई कारों में ऑफर किया जाता है। यह भी काफी जरूरी सेफ्टी फीचर होता है। यह ऐसा सिस्टम होता है जो यह पहचान करता है कि आपकी कार सही रास्ते पर है या नहीं। ये पहचान करने के बाद सिस्टम खुद ही व्हील्स को मिल रही पावर कट कर देता है जिसे ट्रैक्शन कंट्रोल भी कहते हैं। अगर ट्रैक्शन कंट्रोल ना किया जाए तो कार के पहिये बिना वजह घूम सकते हैं जिससे कार दूसरी ओर भी जा सकती है। ईएसपी में कई तरह के सेंसर होते हैं।

अब इस राज्य में व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए अपनी निजी कारों को बना सकते हैं टैक्सी, जानें डिटेल्स

एनटीवी

नई दिल्ली। राज्य में टैक्सी की कमी को दूर करने के लिए एक कदम उठाते हुए, तमिलनाडु सरकार ने कार मालिकों को व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए अपनी निजी कारों को टैक्सियों में बदलने की इजाजत दे दी है। पहले, निजी इस्तेमाल की परमिट वाली कारों का कंवर्जन कुछ मॉडलों तक ही सीमित था। लेकिन अब, लग्जरी कारों सहित किसी भी सफेद नंबर प्लेट वाली कार को टैक्सी में बदला जा सकता है। इस फैसले से टैक्सियों की उपलब्धता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कार मालिक जो अपने निजी वाहनों को टैक्सी के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं या व्यावसायिक उपयोग के लिए घर पर कोई अतिरिक्त कार रखना चाहते हैं। वे टैक्सी परमिट के लिए फाइल करने के लिए अपने संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) पर जा सकते हैं। मोटर कैब परमिट की फीस 625 रुपये है, जबकि मैक्सी कैब परमिट की फीस 1,150 रुपये है। आरटीओ की मंजूरी पर पांच साल की वैधता के साथ परमिट जारी किया जाएगा।

एक बार परमिट अप्रूव (स्वीकृत) हो जाने के बाद, कार मालिकों को अपनी नंबर प्लेट का रंग पीला करना होगा। इन वाहनों का आरटीओ में सालाना फिटनेस टेस्ट भी किया जाएगा।

इस पहल से कार मालिकों के लिए अतिरिक्त आय के मौका और राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा एक शहर से दूसरे शहर आने-जाने के लिए भी कैब एग्रीगेटर्स द्वारा वसूले जाने वाले भारी शुल्क पर नियंत्रण रखने की भी उम्मीद है। इसके अलावा, राज्य में लग्जरी टैक्सियों की भी कमी है। जिसके कारण, जो पर्यटक और ग्राहक ऐसी कारों में यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें पड़ोसी राज्यों से, बढ़े हुए किराए के साथ बुक करना पड़ता है।

टेस्ला लॉन्चिंग वाले दिन इतने साइबरट्रक की डिलीवरी कर सकती है, संख्या जानकर रह जाएंगे हैरान

एनटीवी

टेस्ला साइबरट्रक। दुनिया में सबसे प्रतीक्षित और सबसे चर्चित इलेक्ट्रिक वाहनों में से एक है। 2019 में पहली बार पेश किए जाने के बाद से, अनोखे रूप से डिजाइन किए गए इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक ने दुनिया भर में बहुत से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि, तमाम वादों के बावजूद टेस्ला बार-बार साइबरट्रक की लॉन्चिंग में देरी करती रही। अब काफी इंतजार के बाद ईवी निमार्ता आखिरकार 30 नवंबर को ग्राहकों को पिकअप ट्रक का पहला बैच देने के लिए तैयार है।

मैक्सिकन अखबार मिलेनियो ने बताया है कि टेस्ला 30 नवंबर के कार्यक्रम में सिर्फ 10 साइबरट्रक डिलीवर करेगी। रिपोर्ट में इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता के उत्पाद डिजाइन निदेशक जेवियर वडुर्रा के हवाले से कहा गया है कि टेस्ला ऑस्टिन में लॉन्च इवेंट के दौरान सिर्फ 10 साइबरट्रक डिलीवर कर सकती है। इसका मतलब है कि संभवतः 20 लाख ग्राहक जिन्होंने दशक के सबसे प्रतीक्षित इलेक्ट्रिक वाहन को बुक किया है, उन्हें अपनी उम्मीदों पर थोड़ा संयम रखना

पड़ सकता है। वदुर्रा ने कथित तौर पर टेस्ला साइबरट्रक के बारे में एक कार्यक्रम में कहा, ₹हम पहले 10 डिलीवर करने जा रहे हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पहले खुलासा किया था कि साइबरट्रक 2023 के आखिर में अपनी डिलीवरी शुरू करने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी खुलासा किया कि ऑटो कंपनी 2024 की शुरुआत में साइबरट्रक का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करेगी। जिससे निमार्ता को ईवी बुक करने वाले ग्राहकों की लंबी वेटिंग लिस्ट तक डिलीवरी की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब टेस्ला ने लॉन्च इवेंट के दौरान इतनी कम संख्या में कारों की डिलीवरी की है। 2017 में टेस्ला ने डिलीवरी डे इवेंट के दौरान कंपनी के कर्मचारियों को मॉडल 3 सेडान की सिर्फ 30 यूनिट्स डिलीवरी की थी। इस बीच, वडुर्रा ने यह भी खुलासा किया कि टेस्ला मॉडल 3 की बिक्री ने सभी छोड़ दिया है। यह अमेरिकी ईवी निमार्ता की सबसे सस्ती कार है।

सर्दियों के मौसम में इलेक्ट्रिक कार की इन पांच तरीकों से करें देखभाल, परेशानी रहेगी दूर

एनटीवी

अगर आप भी इलेक्ट्रिक कार चलाते हैं। तो सर्दियों के मौसम में ऐसी कारों को ज्यादा देखभाल की जरुरत होती है। किन पांच तरीकों से इलेक्ट्रिक कारों की देखभाल करें। आइए जानते हैं।

पेट्रोल या डीजल कार के मुकाबले सर्दियों के मौसम में इलेक्ट्रिक कार को ज्यादा देखभाल की जरुरत होती है। हम इस खबर में आपको पांच ऐसे तरीकों की जानकारी दे रहे हैं। जिनको ध्यान में रखते हुए बिना किसी परेशानी सर्दियों में भी इलेक्ट्रिक कार को आसानी से चलाया जा सकता है।

कवर्ड पार्किंग में रखें कार

सर्दियों के मौसम में इलेक्ट्रिक कार को अगर कवर्ड पार्किंग में रखा जाए तो इससे बैटरी की उम्र को बढ़ाने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कवर्ड पार्किंग में तापमान सामान्य रहता है, जबकि खुले में कार पार्क करने पर तापमान में कमी आती है। जिसका असर कार की बैटरी पर होता है।

फास्ट चार्जिंग ना करें

सर्दियों के मौसम में इलेक्ट्रिक कार के साथ फास्ट चार्जिंग का उपयोग करना भी बैटरी को नुकसान पहुंचाता है। जानकारों के मुताबिक कम तापमान में अगर इलेक्ट्रिक कार को फास्ट चार्ज किया जाता है तो बैटरी की क्षमता तेजी से कम होती है। इसलिए कोशिश करें कि सर्दियों में कार को सामान्य चार्जर से ही चार्ज करें।

टायर का रखें ध्यान

किसी भी वाहन को चलाते हुए उसका सड़क से संपर्क सिर्फ टायर के साथ होता है। सर्दियों के मौसम में भी कार के टायर को ज्यादा देखभाल की जरुरत होती है। तापमान जितना कम होता है, उतनी जल्दी टायर में हवा भी कम हो जाती है। इसलिए कोशिश करें कि सफर के समय कार के टायर में हवा का प्रैशर जरूर चेक करें। अगर कम हो तो टायर में हवा भरवाएं।

ईको मोड का उपयोग करें

इलेक्ट्रिक कारों को कई बेहतरीन तकनीक के साथ ऑफर किया जाता है। ऐसे में इन कारों में ड्राइविंग के लिए कई तरह के मोड्स भी दिए जाते हैं। जिनमें ईको, सामान्य और स्पोर्ट्स मोड जैसे विकल्प होते हैं। अगर सर्दियों के दौरान अपनी इलेक्ट्रिक कार से ज्यादा रेंज चाहते हैं तो ईको मोड का उपयोग करना बेहतर होता है।

रीजनरेटिव तकनीक उपयोग करें

इलेक्ट्रिक कारों में रेंज को बढ़ाने के लिए एक खास तकनीक को ऑफर किया जाता है। इस तकनीक को रीजनरेटिव तकनीक कहा जाता है। सर्दियों के मौसम में आपकी कार को ज्यादा दूरी तक चलाने के लिए इस तकनीक का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है। इलेक्ट्रिक कार में सफर के दौरान जब भी ब्रेक का उपयोग किया जाता है तो इस तकनीक के जरिए बैटरी को चार्ज करते आसानी से ज्यादा दूरी तय की जा सकती है।

मेड इन इंडिया Maruti Suzuki eVX SUV ग्लोबल मार्केट में होगी एक्सपोर्ट, जानिए लॉन्च

एनटीवी

टाइमलाइन और खूबियां

भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक गाड़ियों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। आपको बता दें, कंपनी ने अब इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी अपना कदम रख दिया है। वहीं कंपनी अगले साल किसी भी समय मार्केट में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ईवीएक्स को पेश कर सकती है। इसको लेकर पूरी तैयारी में कंपनी है। 2025 में ब्रिकी के लिए उपलब्ध कराया जाएगा

आपकी जानकारी के लिए बता दें, इस कार को कंपनी गुजरात के प्लांट में बनाएगी और कई मार्केट में इसे निर्यात भारत से ही किया जाएगा ।१ इलेक्ट्रिक कार को टोयोटा के साथ डेवलप किया जाएगा, जिसका अपना वेरिएंट भी होगा जिसे 2025 में ब्रिकी के लिए उपलब्ध कराया जाएगा ।१ की बैटरियां और मोटर गुजरात प्लांट में बनाई जाएंगी। गुजरात संयंत्र निर्यात बाजारों में हाइब्रिड के लिए भी बैटरियां बनाता है।

मारुति१ को विदेशों में भी निर्यात किया जाएगाभारत में बनी मारुति eVX को विदेशों में भी निर्यात किया जाएगा। इस कार का लुक काफी दमदार है। कंपनी का कहना है कि जब हम एक ईवी लॉन्च करते हैं तो इसे स्थानीय रूप से बनाया जाना चाहिए। इसलिए हमारे पास हमारे ईवी में एक स्थानीयकृत बैटरी और मोटर होगी और पैमाने बनाने के लिए, हम भारत से मॉडल का निर्यात भी करेंगे।मारुति सुजुकी ईवी का मुकाबला हालांकि, अब देखना ये बाकी है कि मारुति सुजुकी ईवी में अपनी प्रतिद्वंद्वी टाटा नेक्सन ईवी के मुकाबले इस एसयूवी की कीमत कितनी तय करेगी, क्या ये लोगों के बजट में होगी। इसके साथ ही आने वाली मारुति की इलेक्ट्रिक कार की टक्कर क्रेटा ईवी, नेक्सॉन ईवी और एमजी जेडएस ईवी से हो सकती है।

Geneva International Auto Show में Renault पेश करेगी ये जबरदस्त इलेक्ट्रिक कार

एनटीवी

पॉपुलर कार निमार्ता कंपनी Renault अपनी इलेक्ट्रिक कार पर काम कर रही है और उसे 2024 Geneva Motor Show में पेश किया जाना है। इसको लेकर फ्रांसीसी ब्रांड ने घोषणा की है कि इसका प्रोडक्शन-रेडी वर्जन फरवरी 2024 में आएगा। इसके बाद Renault 5 ईवी जल्द ही बिक्री पर जाने के लिए तैयार होगी। आइए, इसकी डिजाइन-डायमेंशन और अन्य डिटेल्स के बारे में जान लेते हैं।

संभावित कीमत

ब्रांड के सीईओ लुका डी मेओ ने कहा कि सब्सिडी के साथ यूरोप में इसकी कीमत 25,000 यूरो (लगभग 42,000 डॉलर) होगी। इसका मतलब है कि रेनो की ये इलेक्ट्रिक कार ग्लोबल मार्केट में आगामी मिनी कूपर इलेक्ट्रिक, प्यूजो ई-208 और फिएट 500ी के समान कीमत के आसपास स्थिति होगी।

ने 2021 की शुरुआत में क्लासिक रेनो 5 हैचबैक का एक नया संस्करण बनाने की योजना की घोषणा की थी। 1970 के मॉडल के विपरीत, नई रेनो 5 को पूरी तरह से एक इलेक्ट्रिक कार के रूप में बेचा जाएगा, जो फिएट 500 और होंडा-ई और मिनी इलेक्ट्रिक जैसे अन्य रेट्रो मॉडलों को टक्कर देगी। इसके अलावा अगली निसान माइक्रा और एक अन्य रेट्रो-प्रेरित मॉडल, रेनो 5 के समान प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगे।

डिजाइन

इस साल की शुरुआत में सामने आए प्रोटोटाइप वाहनों में इसे पांच दरवाजे और विशिष्ट रियर डिजाइन के साथ शो कार की समग्र रूपरेखा साझा की गई है। इसमें अब पारंपरिक डोर हैंडल, विंग मिरर और पहिये हैं, जो आकार और दिखने में कम एक्सट्रीम हैं।

स्टाइलिंग एलईडी लाइटिंग एलीमेंट और छोटे ओवरहैंग के साथ पॉपुलर Renault 5 EV अब आधुनिक डिजाइन से लैस है। ये पांच दरवाजों वाली होगा, जिसमें पीछे के डोर हैंडल्स भी रियर पिलर्स में छिपे होंगे। इसके अलावा मूल फॉग लाइट के स्थान पर इसे डे-टाइम रनिंग लाइट्स और चार्जिंग पोर्ट के रूप में बोनट एयर वेंट दिया गया है। फीचर्स कंपनी ने आगामी Renault 5 के लिए नए फीचर्स की घोषणा की है। इसमें ब्रांड का पहला टू-डायरेक्शनल ऑन-बोर्ड चार्जर शामिल है। ये कार मालिकों को बिजली की दरें अधिक होने पर पावर ग्रिड को वापस बिजली बेचने में सक्षम बनाता है, जिससे परिचालन लागत को कम करने में मदद मिलती है। ये सुविधा सबसे पहले 2025 में यूके में शुरू होने से पहले 2024 में फ्रांस और जर्मनी में उपलब्ध होगी। अभी तक रेनो5 ईवी का इंटीरियर सामने नहीं आया है। हालांकि, इसके एक कम-बैक लुक के साथ आने की उम्मीद है।

खत्म नहीं हुई है गहलोत और वसुंधरा की राजनीति

राजस्थान में अरसे बाद ऐसा हुआ है जब भाजपा और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह चुनाव से पहले तय नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे यह मान कर बैठे हैं कि मुख्यमंत्री पद घूम फिरकर उनके पास आना ही है। कांग्रेस की ही बात करें तो अशोक गहलोत स्पष्ट कर चुके हैं कि वह तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह पद उन्हें नहीं छोड़ता। यानि मतलब साफ है कि गहलोत मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं सचिन पायलट कह रहे हैं कि उनके सारे मुद्दे कांग्रेस आलाकमान ने सुलझा दिये हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि उन्हें यह आश्वासन मिल गया है कि यदि कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो मुख्यमंत्री पद उन्हें ही मिलेगा। टिकट वितरण के दौरान भी जिस तरह गहलोत समर्थकों की बजाय सचिन खेमे के लोगों को तरजीह दी गयी उससे भी भविष्य के संकेत मिल गये थे लेकिन गहलोत फिलहाल सबकुछ चुपचाप देख रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें कब कौन-सा कदम उठाना है। दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो 2003 के बाद यह राजस्थान का पहला विधानसभा चुनाव है जिसमें भाजपा का नेतृत्व वसुंधरा राजे नहीं कर रही हैं। वसुंधरा राजे का नाम भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं आना, परिवर्तन यात्राओं का नेतृत्व उन्हें नहीं दिया जाना, वसुंधरा समर्थक नेताओं कैलाश मेघवाल और युनूस खान जैसे वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना तथा वसुंधरा समर्थक कुछ विधायकों की सीटों में परिवर्तन कर भाजपा नेतृत्व ने संकेत दे दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी वसुंधरा राजे से दूर हो गयी है। यही नहीं, भाजपा की पहली सूची आने के बाद जिस तरह वसुंधरा राजे को खुद का टिकट हासिल करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी और एक जनसभा में अपनी रिटायरमेंट की बात तक कहनी पड़ी, वह दशार्ता है कि अपने राजनीतिक भविष्य का वसुंधरा राजे को अहसास हो चुका है लेकिन वह हार मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं। देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भले हों लेकिन दोनों को अच्छा मित्र भी माना जाता है। चुनाव के दौरान दोनों भले एक दूसरे पर निशाना साधें और भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगायें लेकिन अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान दोनों एक दूसरे के खिलाफ कोई जांच नहीं कराते। यही नहीं, जब वसुंधरा विपक्ष में हों तब वह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी पार्टी की वजह से गहलोत की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई संकट नहीं आये। यही काम गहलोत विपक्ष में रहने के दौरान करते हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने खुद बताया था कि जब सचिन पायलट ने बगावत की थी तो वसुंधरा राजे ने भाजपा की ओर से उनकी सरकार गिराने की कोशिशों का विरोध किया था। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की राजनीतिक शख्सियत की बात करें तो दोनों नेताओं के आगे उनकी पार्टी का आलाकमान अब तक नतमस्तक होता रहा है। अशोक गहलोत का प्रभाव तब देखने को मिला था जब उन्होंने सचिन पायलट का साथ दे रहे कांग्रेस आलाकमान के समक्ष अपनी ताकत का खुलकर इजहार किया था। कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पार्टी विधायक दल की बैठक होने का इंतजार करते रह गये और बैठक कहीं और हो गयी थी। यही नहीं अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने को तवज्जो देकर गांधी परिवार को सकते में डाल दिया था। वहीं राजस्थान भाजपा में भी 2003 से वही होता रहा है जो वसुंधरा राजे चाहती रही हैं। वसुंधरा राजे के खिलाफ पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जैसे दिग्गजों ने भी अभियान चलाया था लेकिन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे। किरोड़ी लाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेता वसुंधरा विरोध में भाजपा छोड़ गये लेकिन फिर वापस पार्टी में लौटना ही पड़ा। देखा जाये तो चाहे नेता प्रतिपक्ष का पद हो, मुख्यमंत्री पद हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद हो... भाजपा को आखिरकार वसुंधरा राजे की ही बात माननी पड़ती थी लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। बहरहाल, चाहे गहलोत हों या वसुंधरा, दोनों ही नेताओं की राजनीति को अभी खत्म नहीं समझा जा सकता। दोनों ही राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। दोनों ही नेता चुनावों की वजह से अभी ज्यादा बोल नहीं रहे हैं और आक्रामक तेवर नहीं दिखा रहे हैं लेकिन दोनों ही नेता जानते हैं कि अपनी अपनी पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद तक कैसे पहुँचना है। दोनों ही नेता इसके लिए जमीनी स्तर पर काम भी कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे की मुश्किल उतनी नहीं बढ़ा रहे हैं जितनी मुश्किल इन दोनों ही पार्टियों के बागी नेता, अधिकृत उम्मीदवारों की बढ़ा रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवारों को खड़ा करने के पीछे कहीं ना कहीं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का ही हाथ है। दोनों नेताओं की रणनीति यह है

कृपया सीट की पेटी बाँध लें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

देवियो ! और सज्जनो ! आपका स्वागत है। कृपया अपनी सीट बेल्ट बांधें, अपनी ट्रे टेबल को सीधी और बंद स्थिति में रखें, और सीट बेल्ट को बांधने और खोलने के तरीके के पूरी तरह से अनावश्यक प्रदर्शन के लिए तैयार रहें। क्योंकि, आप जानते हैं, उड़ान के इतने वर्षों के बाद भी, आप अभी भी इसका पता नहीं लगा पाए हैं। ओह, और चिंता न करें यदि आप जहाज पर कोई नाश्ता नहीं लाए हैं, तो हम अपने अत्यधिक महंगे, बमुश्किल खाने योग्य भोजन के लिए आपसे एक हाथ और एक पैर का शुल्क लेना सुनिश्चित करेंगे। और यदि आप भाग्यशाली हैं, तो हम आपको मुफ्त में आधा कप गर्म, पानी वाली कॉफी भी दे सकते हैं। आपका स्वागत है। आपके मनोरंजन के लिए, हम आपको एक सुरक्षा वीडियो दिखाएंगे जिसे आप इंजन की आवाज पर नहीं सुन पाएंगे, इसलिए बस आराम से बैठें, आराम करें और ऐसा दिखावा करें जैसे आप वास्तव में निकटतम आपातकालीन निकास के स्थान की परवाह करते हैं . और अंत में, हमारी प्यारी एयर होस्टेस नकली मुस्कुराहट और अति-उत्साह के साथ गलियारे में परेड करेंगी क्योंकि वे आपको उस तरह के आतिथ्य के साथ सेवा प्रदान करेंगी जिसे केवल इस रूप में वर्णित किया जा सकता है कि ₹हमें आपके साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए भुगतान किया जा रहा है। ₹इसलिए कृपया हमारा दिन बर्बाद न करें।₹ हमारे साथ उड़ान भरने का विकल्प चुनने के लिए धन्यवाद। हम आशा करते हैं कि आपकी यात्रा औसत दर्जे की और सुरक्षित, लेकिन बहुत आरामदायक नहीं होगी। और याद रखें, हमारा फ्रीक्वेंट फ़्लायर कार्यक्रम आपको यह महसूस कराने की एक चाल है कि आपको कुछ विशेष मिल रहा है, जबकि वास्तव में आपको केवल कुछ अतिरिक्त मूंगफली मिल रही हैं और यह जानकर संतुष्टि है कि आपने हमारी तंग जगह में बहुत अधिक समय बिताया है। आपका भरा हुआ हवाई जहाज।

राजस्थान में कब बनेगा जाट मुख्यमंत्री

लेखक : रमेश सर्राफ धमोरा

लेकिन दिल्ली की राजनीति में परसराम मदेरणा पराजित हो गए और अशोक गहलोत को राजस्थान का मुख्यमंत्री बना दिया गया। 2008 के विधानसभा चुनाव में भी केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला अशोक गहलोत के सामने मुख्यमंत्री के दावेदार बने थे मगर अशोक गहलोत को ही मुख्यमंत्री बनाया गया। को तीन बार कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के अवसर मिले मगर तीनों ही बार वह असफल हो गए। वर्तमान समय में देखे तो आज राजस्थान की राजनीति में किसी भी जाट नेता का इतना बड़ा कद नहीं है।

राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रांत है। यहां करीबन 8 करोड़ की आबादी निवास करती है। जिसमें से सबसे अधिक करीबन 13-14 प्रतिशत जाट समाज के लोग आते हैं। प्रदेश की राजनीति में जाटों का हमेशा दबदबा रहा है। सबसे अधिक संख्या में विधायक व सांसद भी जाट ही निर्वाचित होते हैं। मगर इतना सब होते हुए भी राजस्थान में आज तक किसी भी पार्टी से जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है। जब-जब विधानसभा के चुनाव होते हैं तब जरूर जाट समाज के व्यक्ति को मुख्य मंत्री बनाने की बातें चलती है। मगर चुनाव होने के बाद जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाता है। राजस्थान में जाट समाज आजादी के समय से ही कांग्रेस का सबसे बड़ा समर्थक वोट बैंक रहा है। आज भी जाटों का झुकाव कांग्रेस की तरफ बना हुआ है। लेकिन मौजूदा विधानसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल से ऐसा कोई जाट नेता नहीं है जो मुख्यमंत्री की रेस में शामिल हो सके। नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने पिछले विधानसभा चुनाव में जरूर अपनी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ा था और तीन विधानसभा सीटों पर जितने में सफल रहे थे। उस समय हनुमान बेनीवाल का दावा था कि राजस्थान में हासिये पर पहुंच गई जाट राजनीति को वह अपनी पार्टी के माध्यम से मुख्य धारा में लायेंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल ने भाजपा से गठबंधन कर नागौर से लोकसभा चुनाव लड़कर सांसद बन गए थे। इस बार हनुमान बेनीवाल ने उत्तर प्रदेश के चंद्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी से गठबंधन कर विधानसभा चुनाव में उतरे हैं। लेकिन 200 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करने वाले बेनीवाल की पार्टी महज 78 सीटों पर ही अपने प्रत्याशी उतर पाई है। खुद को जाट आइकॉन के रूप में पेश करने वाले हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतार कर उन्हे वाक ओवर दे दिया है। वैसे भी हनुमान बेनीवाल के साथ अन्य जाति के मतदाता नहीं जुड़ पाए हैं। राजस्थान में आजादी के बाद से ही कांग्रेस की सरकार बनती रही है। कांग्रेस की सरकारों में नाथूराम मिर्धा, चौधरी कुंभाराम आर्य, परसराम मदेरणा, कमला बेनीवाल, रामनिवास मिर्धा, रामदेव सिंह महरिया, दौलत राम सारण, सुमित्रा सिंह, रामनारायण चौधरी, शीशराम ओला, चौधरी नारायण सिंह, हेमाराम चौधरी, महादेव सिंह खंडेला, लालचंद कटारिया जैसे प्रभावशाली जाट नेता शामिल होते रहे थे। लेकिन इनमें से कोई भी नेता राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। 1973 में रामनिवास मिर्धा मुख्यमंत्री पद के चुनाव में हरदेव जोशी से महज एक वोट से हार गए थे। इसके साथ ही राजस्थान में जाट मुख्यमंत्री बनने से रह गया था। 1998 के विधानसभा चुनाव में परसराम मदेरणा को चेहरा बनाकर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था और भारी बहुमत प्राप्त किया था। लेकिन दिल्ली की राजनीति में परसराम मदेरणा पराजित हो गए और अशोक गहलोत को राजस्थान का मुख्यमंत्री बना दिया गया। 2008 के विधानसभा चुनाव में भी केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला अशोक गहलोत के सामने मुख्यमंत्री के दावेदार बने थे मगर अशोक गहलोत को ही मुख्यमंत्री बनाया गया। इस तरह जाट नेताओं को तीन बार कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के अवसर मिले मगर तीनों ही बार वह असफल हो गए। वर्तमान समय में देखे तो आज राजस्थान की राजनीति में किसी भी जाट नेता का इतना बड़ा कद नहीं है जो मुख्यमंत्री पद की दावेदारी कर सके। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तीसरी बार के विधायक है। लेकिन मंत्रिमंडल में उनको भी शिक्षा राज्य मंत्री ही बनाया गया था। ।लांकि भाजपा ने भी अब जाटों पर अपनी पकड़ बनाने शुरू कर दी है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 30 से अधिक जाट प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले जाट समाज के डॉक्टर सतीश पूनिया को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया गया था। लेकिन भाजपा में जाट मुख्यमंत्री बनने की बात सोची भी नहीं जा सकती है। क्योंकि जाट समाज आज भी मूल रूप से कांग्रेस से ही जुड़ा हुआ है। इसलिए भाजपा की बजाय जाट समाज की कांग्रेस में अधिक मजबूत दावेदारी बनती है। कभी केंद्र की राजनीति में बलराम जाखड, कुंवर नटवर सिंह मजबूत जाट नेता बन कर उभरे थे। इन्होंने बहुत से युवा जाट नेताओं को आगे भी बढ़ाया था। मगर यह लोग केंद्र की राजनीति तक ही सीमित होकर रह गए। इन्होंने कभी भी प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री बनने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस पार्टी अपने विधानसभा के चुनावी संकल्प पत्र में सरकार बनने पर जातिगत जनगणना करवाने की बात कह रही है। यदि प्रदेश में जातिगत जनगणना होती है तो बिहार की तरह राजस्थान में भी सबसे बड़ी आबादी जाटों की ही होगी। तब प्रदेश की राजनीति में जाटों की असली ताकत का अहसास होगा। राजस्थान में 7 अप्रैल 1949 से लेकर अब तक 25 मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जिनमें आठ बार ब्राह्मण, पांच बार बनिया, पांच बार राजपूत, एक बार मुस्लिम, एक बार खटीक, एक बार कायस्थ, तीन बार माली मुख्यमंत्री बने हैं। इस सूची में जाट समाज के एक भी व्यक्ति का नाम नहीं है।

खेल में सिर्फ जीत ही नहीं होती

लेखिका : निर्मल रानी

जिसने छठी बार वर्ल्ड कप जीत कर कीर्तिमान बनाया सवाल यह है कि क्या किसी भी देश की टीम के प्रशंसकों को अपने खिलाड़ियों से केवल जीत की ही उम्मीद करनी चाहिये ? भविष्य वक्ताओं को क्या अधिकार है कि वे निरर्थक व अतार्किक भविष्यवाणियां कर लोगों में वह उम्मीद जगायें जो पूरी ही नहीं होनी ? देश के एक पेशेवर प्रसिद्ध हिंदी अखबार ने तो प्रथम पृष्ठ पर यह शीर्षक ही छाप मारा कि- 'आनुसूओं में डूबा देश' । यह आखिर कौन सी खेल पत्रकारिता का शीर्षक है

विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मैच पिछले दिनों अहमदाबाद में भारत व ऑस्ट्रेलिया के मध्य खेला गया। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेटों से पराजित कर दिया। 43 ओवरों में चार विकेट खोकर ऑस्ट्रेलिया ने भारत द्वारा बनाये गये 241 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। भारत की पूरी टीम 50 ओवरों में मात्र 240 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने 137 रन और मार्नस लाबुशेन ने 58 रनों की शानदार पारी खेली । ट्रेविस हेड को प्लेयर ऑफ द मैच जबकि विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। जैसे जैसे ऑस्ट्रेलिया की टीम जीत के अपने लक्ष्य के करीब पहुँच रही थी,स्वभाविक रूप से भारतीय टीम के प्रशंसकों में मायूसी बढ़ती जा रही थी। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करने के लिये स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह,गुजरात के राज्यपाल व मुख्यमंत्री आदि के साथ स्वयं स्टेडियम में मौजूद थे। इनके अतिरक्त भी राजनीति,उद्योग व सिनेमा जगत के कई चर्चित लोग भारतीय टीम की हौसला अफजाई के लिये स्टेडियम में उपस्थित थे। परन्तु ऑस्ट्रेलिया की सधी गेंदबाजी व बल्लेबाजी के आगे भारतीय टीम न ही अपेक्षित स्कोर खड़ा कर सकी न ही निर्धारित लक्ष्य 241 को पूरा करने से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम को आउट कर सकी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर छह विकेटों से आसान जीत हासिल कर रिकॉर्ड छठी बार वर्ल्ड कप पर कब्जा कर लिय ऑस्ट्रेलिया के छठी बार विश्व विजेता होने के बाद जहां खेल समीक्षकों द्वारा जीत हार के तकनीकी कारणों पर रौशनी डाली गयी वहीं भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की मायूसी से जुड़ी भी तमाम खबरों ने सुर्ख़ियां बटोरीं। अत्यधिक विश्वास से लेकर अंधविश्वास तक से लबरेज कई समाचार देखने को मिले। कहीं खेल समाप्त होने से पहले ही टी वी स्क्रीन बंद कर दिए गये ,कहीं लोगों को आंसू बहाते देखा गया, कहीं आतिशबाजियाँ धरी रह गयीं तो कहीं मिठाइयां बिना बंटे रखी रह गयीं। अलीगढ़ में तो भारत की हार से दुखी किसी व्यक्ति ने अपना टी वी ही फोड़ दिया। यह तो मैच के बाद के कुछ दृश्य थे। जबकि मैच के पहले देश के अनेक प्रमुख ज्योतिषियों व भविष्य वक्ताओं ने भारत की टीम की जीत की भविष्यवाणी कर भारतीय प्रशंसकों में जीत की उम्मीद और भी जगा दी थी। परन्तु इन सब भविष्यवाणियों पर पानी फिर गया। एक नये नवेले,विवादित व बड़बोले कथावाचक जो भविष्यवाणियां भी करते फिरते हैं उन्होंने भी भारत के जीतने की भविष्यवाणी की थी। परन्तु खेल में जीत न तो भविष्यवाणियों से होती है न ही भाग्य भरोसे या दिशा-दशा-ग्रह-नक्षत्र आदि के भरोसे। बल्कि जो अच्छा खेलता है जीत हमेशा उसी की होती है। यही उस ऑस्ट्रेलिया के साथ भी हुआ जिसने छठी बार वर्ल्ड कप जीत कर कीर्तिमान बनाया सवाल यह है कि क्या किसी भी देश की टीम के प्रशंसकों को अपने खिलाड़ियों से केवल जीत की ही उम्मीद करनी चाहिये ? भविष्य वक्ताओं को क्या अधिकार है कि वे निरर्थक व अतार्किक भविष्यवाणियां कर लोगों में वह उम्मीद जगायें जो पूरी ही नहीं होनी ? देश के एक पेशेवर प्रसिद्ध हिंदी अखबार ने तो प्रथम पृष्ठ पर यह शीर्षक ही छाप मारा कि- 'आनुसूओं में डूबा देश ' । यह आखिर कौन सी खेल पत्रकारिता का शीर्षक है ? बात केवल यहीं नहीं रुकी बल्कि एक स्वयंभू 'राष्ट्रवादी गिरोह ' ने तो ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद उसके खिलाड़ियों के कई चित्र फोटोशॉप कर उनका चरित्र हनन करना तक शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने यह भी कहा व लिखा कि वी वी आई पी लोगों के मैच में पहुँचने की वजह से मैच हार गया। कुछ ने स्टेडियम की व्यवस्था व सुरक्षा पर सवाल उठाया। और इन फुजूल की बातों में इसी विश्व कप सिरीज में भारत की वह उपलब्धियां दबी रह गयीं जिसकी चर्चा भी बेहद जरूरी थी। जैसे कि इसी विश्व कप में लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल तक का सफर तय करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने न केवल भारतवासियों बल्कि पूरे विश्व के खेल-प्रेमियों का दिल जीत लिया। भारतीय टीम द्वारा 10 लगातार जीतें हासिल की गयीं जो भारत का किसी भी एक आईसीसी वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा लगातार जीत का नया रिकार्ड है। न्यूजीलैंड के साथ हुये सेमीफाइनल मैच में मोहम्मद समी ने तूफानी गेंदबाजी कर दुनिया में तहलका मचा दिया। विश्व कप 2023 में भारतीय टीम को जीत के मार्ग में मिलने वाले भारी अंतर ने भी क्रिकेट जगत में भारत की धाक जमाई। निःसंदेह ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व चैम्पियन जरूर बनी परन्तु इसमें भी कोई संदेह नहीं कि भारत ने भी स्वयं को इस विश्व कप की दूसरी सबसे मजबूत टीम के रूप में स्थापित किया।

पहले प्रयास में प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए संपूर्ण दिशानिर्देश

लेखक : विजय गर्ग

इसे यूं ही सरसरी तौर पर न पार करें; सुनिश्चित करें कि आप अवधारणाओं, शीर्षकों, उपशीर्षकों और मुख्य बिंदुओं को समझते हैं। विषय की गहरी समझ परीक्षा के दौरान आपके काम आएगी। सामग्री से कीवर्ड को हाइलाइट करें और याद रखें। ये कीवर्ड परीक्षा के दौरान आवश्यक हो सकते हैं जब आपको विशिष्ट जानकारी याद रखने की आवश्यकता होती है। अपनी याददाश्त में इन कीवर्ड की नियमित रूप से समीक्षा करें और उन्हें सुदृढ़ करें। ३. छोटे ब्रेक लें अपने अध्ययन सत्र के दौरान छोटे ब्रेक लेने के महत्व को कम न समझें।

प्रतियोगी परीक्षाएं, हालांकि अक्सर चुनौतीपूर्ण होती हैं, करियर के सपनों का प्रवेश द्वार हैं। हालांकि वे दुर्जेय लग सकते हैं, एक रणनीतिक दृष्टिकोण, अटूट प्रतिबद्धता और एक अच्छी तरह से संरचित योजना इन चुनौतियों को आपके सपनों के पेशे की ओर कदम बढ़ाने में बदल सकती है। 1. अपने अध्ययन सत्र को अनुकूलित करें प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए पहले से योजना बनाना एक सिद्ध रणनीति है। प्रभावी परीक्षा तैयारी की कुंजी में से एक है एक अच्छी तरह से संरचित अध्ययन योजना बनाना और छोटे, केंद्रित अध्ययन सत्र रखना। परिभाषित करें कि आपको किन विषयों को कवर करने की आवश्यकता है और प्रत्येक विषय या अनुभाग के लिए विशिष्ट अध्ययन दिवस आवंटित करें। यह जानने से कि आपको प्रत्येक दिन क्या पूरा करना है, फोकस बनाए रखने में मदद मिलती है और यह सुनिश्चित होता है कि आप कोई भी महत्वपूर्ण क्षेत्र न चूकें। 2. सामग्री को अच्छी तरह से समझें अपनी अध्ययन सामग्री को अच्छी तरह से पढ़ना आवश्यक है। इसे यूं ही सरसरी तौर पर न पार करें; सुनिश्चित करें कि आप अवधारणाओं, शीर्षकों, उपशीर्षकों और मुख्य बिंदुओं को समझते हैं। विषय की गहरी समझ परीक्षा के दौरान आपके काम आएगी। इसके साथ ही, अपनी अध्ययन सामग्री से कीवर्ड को हाइलाइट करें और याद रखें। ये कीवर्ड परीक्षा के दौरान आवश्यक हो सकते हैं जब आपको विशिष्ट जानकारी याद रखने की आवश्यकता होती है। अपनी याददाश्त में इन कीवर्ड की नियमित रूप से समीक्षा करें और उन्हें सुदृढ़ करें। 3. छोटे ब्रेक लें अपने अध्ययन सत्र के दौरान छोटे ब्रेक लेने के महत्व को कम न समझें। बिना ब्रेक के लंबे समय तक अध्ययन करने से जानकारी बनाए रखने की आपकी क्षमता में बाधा आ सकती है। इसलिए, आपको मैराथन अध्ययन सत्रों से बचना चाहिए जो आपको थका हुआ और निराश महसूस करा सकता है। इसके बजाय, अपने अध्ययन के समय को प्रबंधनीय भागों में बाँट लें। लगातार कुछ घंटों तक अध्ययन करें, फिर अपने दिमाग को तरोताजा करने के लिए 15 से 20 मिनट का ब्रेक लें। जानकारी बनाए रखने और बर्नआउट को रोकने के लिए ये ब्रेक महत्वपूर्ण हैं। 4. विकर्षणों को दूर करें अध्ययन का ऐसा माहौल बनाएं जो विकर्षणों से मुक्त हो। यदि आपका सामान्य अध्ययन स्थान शोरगुल वाला है या व्यवधान की संभावना है, तो किसी शांत स्थान पर स्थानांतरित करने पर विचार करें। कॉल और नोटिफिकेशन से होने वाली अनावश्यक रुकावटों से बचने के लिए अपने फोन को बंद कर दें या इसे साइलेंट मोड में रख दें। विकर्षणों को कम करने से आपकी उत्पादकता अधिकतम होती है। हालाँकि अध्ययन और सामाजिक मेलजोल के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन ध्यान रखें कि अपनी परीक्षा की तैयारी के दौरान सामाजिक गतिविधियों में अधिक शामिल न हों। अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता दें, विशेष रूप से महत्वपूर्ण अध्ययन अवधि के दौरान, और परीक्षा पूरी होने के बाद सामाजिक मेलजोल के लिए समय आवंटित करें। अध्ययन सत्र के दौरान, पढ़ाई के दौरान ईमेल, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चेक करने से बचें। ये विकर्षण अध्ययन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं और आपकी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। 5. पुनरीक्षण के लिए पर्याप्त समय आवंटित करें रिवीजन परीक्षा की तैयारी का आधार है। सुनिश्चित करें कि आपने परीक्षा से पहले कई दौर के पुनरीक्षण के लिए पर्याप्त समय आवंटित किया है।

पांच दिन चले उठापटक के बाद ओपनएआई में सैम आल्टमैन की वापसी; कंपनी के बोर्ड में भी किया गया बदलाव

एनटीवी, नई दिल्ली

सैम आल्टमैन ओपनएआई में मुख्य कार्यकारी (सीईओ) के रूप में वापसी कर रहे हैं। हाई-प्रोफाइल एआई स्टार्टअप ने इस खबर की पुष्टि कर दी है। कंपनी ने कहा है कि पिछले हफ्ते आल्टमैन को स्टार्टअप से अचानक बर्खास्त करने के बाद पांच दिनों की गहन चर्चा और बहस के बाद विश्वास का माहौल बन गया है। पांच दिन तक चले उठापटक और हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद ओपनएआई के संस्थापक सैम ऑल्टमैन ने एआई कंपनी में वापसी की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, मुझे ओपनएआई पसंद है, और पिछले कुछ दिनों में मैंने जो कुछ भी किया है वह इस टीम और इसके मिशन को एक साथ रखने के लिए है। जब मैंने माइक्रोसॉफ्ट में शामिल होने का फैसला किया, तो यह स्पष्ट था कि यह मेरे और टीम के लिए सबसे अच्छा रास्ता था। नए बोर्ड और सत्या के समर्थन के साथ, मैं ओपनएआई में लौटने और एमएसएफटी के साथ हमारी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने

के लिए उत्सुक हूं। इससे यह तय हो गया है कि सैम आल्टमैन ओपनएआई में मुख्य कार्यकारी (सीईओ) के रूप में वापसी कर रहे हैं। हाई-प्रोफाइल एआई स्टार्टअप ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी है। कंपनी ने कहा है कि पिछले हफ्ते आल्टमैन को स्टार्टअप से अचानक बर्खास्त करने के बाद पांच दिनों की गहन चर्चा और बहस के बाद विश्वास का माहौल बन गया है। ओपनएआई के बोर्ड में भी होगा बदलाव, ब्रेट टेलर होंगे अध्यक्ष ओपनएआई, जो सबसे मूल्यवान अमेरिकी स्टार्टअप है, ने कहा कि वह आल्टमैन की वापसी के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गया है। इसके अलावे स्टार्टअप अपने बोर्ड में भी बदलाव कर रहा है और कई सदस्यों को हटा रहा है। सेल्सफोर्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी ब्रेट टेलर, अमेरिका के पूर्व वित्त मंत्री लैरी समर्स और कोरा के संस्थापक एडम डी एंजेलो एआई स्टार्टअप में नए बोर्ड का हिस्सा होंगे। स्टार्टअप ने कहा कि टेलर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। माइक्रोसॉफ्ट, जो ओपनएआई के लगभग 49% का मालिक है, पिछले हफ्ते ओपनएआई के फैसले से हैरान था। कंपनी ने अपने यहां एक सॉफ्टवेयर समूह में आल्टमैन को नियुक्त करने का एलान कर दिया था। उसस पहले ओपनएआई के पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन और स्टार्टअप के अनगिनत अन्य सदस्यों ने ओपनएआई बोर्ड के फैसले के विरोध में इस्तीफा दे दिया था। सत्या नडेला बोले- ओपनएआई के बोर्ड में बदलाव से उत्साहित उधर माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख सत्य नडेला, जिन्होंने पिछले हफ्ते ओपनएआई बोर्ड के फैसले पर निराशा व्यक्त की थी ने बुधवार को कहा कि वह ओपनएआई बोर्ड में आज के बदलावों से उत्साहित है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि यह अधिक स्थिर, अच्छी तरह से सूचित और प्रभावी शासन के मार्ग पर पहला आवश्यक कदम है। सैम, ग्रेग और मैंने बात की है और सहमति व्यक्त की है कि ओएआई नेतृत्व टीम के साथ उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे यह यह सुनिश्चित हो सकेगा कि ओएआई अपने मिशन पर कामयाब रहे और निर्माण जारी रखे। हम अपनी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने और अपने ग्राहकों और भागीदारों को एआई की इस अगली पीढ़ी का मूल्य प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। आल्टमैन को हटाने के बाद कंपनी के बोर्ड की हुई थी आलोचना ओपनएआई के पहले बोर्ड- जिसमें इसके मुख्य वैज्ञानिक इल्या सुत्सकेवर, स्वतंत्र निदेशक डी'एंजेलो, प्रौद्योगिकी उद्यमी ताशा मैककॉली और जॉर्जटाउन सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के हेलेन टोनर को आल्टमैन को हटाने के फैसले के बाद आलोचना झेलनी पड़ी थी। इस मामले में पूर्व बोर्ड की ओर से कोई व्यापक स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्र्स के अनुसार ओपनएआई बोर्ड के फैसले से निराश होकर, कई ओपनएआई निवेशकों ने बोर्ड के सदस्यों पर मुकदमा करने के विकल्पों की तलाश शुरू कर दी थी। अंतरिम सीईओ एम्मेट शियर बोले- समाधान का हिस्सा बनकर खुश हूं ट्विच के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम्मेट शियर, जिन्हें रविवार को ओपनएआई का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था, ने कहा कि वह ओपनएआई के नए फैसले से खुश हैं। ओपनएआई में आने के बाद, मुझे पता नहीं था कि सही रास्ता क्या है। यह वह रास्ता है जिसने हितधारकों की भलाई के साथ सुरक्षा को सुनिश्चित किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे खुशी है कि मैं इस समाधान का हिस्सा हूं।

महंगाई का जोखिम अब भी बरकरार सरकार-आरबीआई सतर्क, खाद्य-ऊर्जा की उच्च कीमतों से अनिश्चितता

एनटीवी, नई दिल्ली

वैश्विक मंदी के मोर्चे पर समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच खाद्य और ऊर्जा की उच्च कीमतों से अनिश्चितता का जोखिम बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं के निर्यात में गिरावट से वैश्विक कारोबार पर दबाव पड़ने की आशंका है। घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई अब भी जोखिम बना हुआ है। इसे लेकर केंद्र सरकार और आरबीआई, दोनों सतर्क हैं। इस बीच, अगले साल फिर से मंदी का खतरा मंडराने लगा है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी अक्तूबर की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में हालिया नरमी और मुख्य महंगाई में लगातार गिरावट से मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने में मदद मिली है। केंद्रीय बैंक भी इस स्थिति से वाकिफ है। उसके संकेतकों के मुताबिक, उच्च कीमतों से राहत देने के लिए बहुत जरूरी होने पर ब्याज दरों में और बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक मंदी के मोर्चे पर समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच खाद्य और ऊर्जा की उच्च

कीमतों से अनिश्चितता का जोखिम बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं के निर्यात में गिरावट से वैश्विक कारोबार पर दबाव पड़ने की आशंका है। इन तथ्यों को देखते हुए 2024 में मंदी के जोखिम की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती है। 100 आधार अंक तक घट सकती है आर्थिक वृद्धि दरअर्थशास्त्रियों का दावा है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 80-100 आधार अंक तक की गिरावट आ सकती है। इसकी प्रमुख वजह बाहरी मांग का कमजोर होना बताया जा रहा है। इसके अलावा, असमान बारिश, आम चुनावों के कारण सरकारी पूंजीगत खर्च की गति में संभावित मंदी और मौद्रिक सख्ती का भी जीडीपी के आंकड़ों पर असर दिखेगा। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का अनुमान है कि जीडीपी की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 7 फीसदी रह सकती है। यह आरबीआई के 6.5 फीसदी के अनुमान से अधिक होगी। बार्कलेज ने 6.8 फीसदी का अनुमान लगया है। उसने कहा, यह अनुमान उपयोगिता क्षेत्रों (खनन व बिजली उत्पादन) और विनिर्माण, निर्माण व सार्वजनिक खर्च के कारण है। सरकार दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े 30 नवंबर को जारी कर सकती है।

संक्षिप्त खबरें

शेयर बाजार में सपाट कारोबार, सेंसेक्स 35 अंक चढ़ा

शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 30.81 (0.04%) अंकों की बढ़त के साथ 65,994.08 के स्तर पर करोबार करता दिखा। निफ्टी 17.50 (0.09%) अंकों की बढ़त के साथ 19,800 के करीब कारोबार करता दिखा। निफ्टी में बीपीसीएल का शेयर दो फीसदी की मजबूती के साथ टॉप गेनर रहा। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के कारण बुधवार को घरेलू बाजार सपाट ढंग से खुले। शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 30.81 (0.04%) अंकों की बढ़त के साथ 65,994.08 के स्तर पर करोबार करता दिखा। निफ्टी 17.50 (0.09%) अंकों की बढ़त के साथ 19,800 के करीब कारोबार करता दिखा। निफ्टी में बीपीसीएल का शेयर दो फीसदी की मजबूती के साथ टॉप गेनर रहा। हिंडाल्को के शेयरों में 1% की गिरावट दर्ज की गई। बाजार पर दबाव बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर में कमजोरी से पड़ा। दूसरी ओर, ऑटो, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी दिखी। कल बीएसई सेंसेक्स 275 अंक चढ़कर 65,930 के स्तर पर बंद हुआ।

सब्स्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है टाटा ग्रुप का आईपीओ

टाटा टेक्नोलॉजीज आईपीओ शेयर बाजार में आईपीओ का सिलसिला अभी भी जारी है। इस तिमाही भी 20 से ज्यादा कंपनियां अपना आईपीओ निवेशकों के लिए खोलेगी। आजस निवेशकों के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ खुलने वाला है। कंपनी को एंकर निवेशकों से काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। इस आर्टिकल में कंपनी के आईपीओ के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ खुल गया है। टाटा टेक्नोलॉजीज में टाटा मोटर्स की हिस्सेदारी भी है। 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ आया था। टाटा टेक्नोलॉजीज आईपीओ टाटा ग्रुप की सहायक कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टाटा टेक्नोलॉजीज) का आईपीओ आज निवेशकों के लिए खुलेगा। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी है। टाटा टेक्नोलॉजीज में टाटा मोटर्स (टाटा मोटर्स) की भी हिस्सेदारी है।

समुद्री मार्ग से फल-सब्जियों का निर्यात बढ़ाने पर सरकार का जोर, केंद्र बना रहा खास योजना

- वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने मंगलवार को कहा, प्रोटोकॉल में यात्रा समय व वैज्ञानिक रूप से इन वस्तुओं के पकने को समझना

एनटीवी, नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने मंगलवार को कहा, प्रोटोकॉल में यात्रा समय व वैज्ञानिक रूप से इन वस्तुओं के पकने को समझना, एक विशेष समय पर कटाई करना और किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है। भारत समुद्री मार्ग से केले, आम, अनार और कटहल जैसे विभिन्न फलों व सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रोटोकॉल तैयार कर रहा है।

फिलहाल, इनमें से अधिकांश का निर्यात कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण हवाई मार्ग से हो रहा है।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने मंगलवार को कहा, प्रोटोकॉल में यात्रा समय व वैज्ञानिक रूप से इन वस्तुओं के पकने को समझना, एक विशेष समय पर कटाई करना और किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है। ये प्रोटोकॉल अलग-अलग फलों व सब्जियों के लिए अलग-अलग होंगे। अग्रवाल ने कहा, समुद्री मार्ग से निर्यात के दो फायदे (मात्रा-लागत) हैं।

इससे फलों-सब्जियों का निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि हवाई माल परिवहन से निर्यात का इन वस्तुओं की कीमत प्रतिस्पर्धा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अब तक हम इन खराब होने वाले उत्पादों के निर्यात के लिए हवाई मार्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

टाइटन पांच साल में देगी तीन हजार से अधिक नौकरियां, आईआईएफएल बनी दूसरी बड़ी गोल्ड लोन एनबीएफसी

- प्रिया एम पिल्लई ने मंगलवार को कहा, हम अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं।

एनटीवी, मुंबई

टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट व खुदरा) प्रिया एम पिल्लई ने मंगलवार को कहा, हम अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। इसलिए, अगले पांच साल में 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे। टाटा समूह की टाइटन कंपनी अगले पांच में 3,000 से अधिक लोगों को नौकरियां देगी। ये भर्तियां इंजीनियरिंग,

डिजायन, लग्जरी, डिजिटल, डाटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में होगी। टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट व खुदरा) प्रिया एम पिल्लई ने मंगलवार को कहा, हम अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। इसलिए, अगले पांच साल में 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे। इरेडा आईपीओ पहले दिन 1.95 गुना सब्सक्राइब भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के आईपीओ को पहले दिन मंगलवार को 1.95 गुना अभिदान मिला। 2,150 करोड़ के आईपीओ के तहत पेश 47,09,21,451 शेयरों के लिए 91,98,25,200 शेयरों की बोलियां मिलीं। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 2.73 गुना बोली लगी। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने 1.97 गुना और पात्र संस्थागत निवेशकों ने 1.34 गुना बोली लगाई। उधर, कंपनी ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। आईआईएफएल दूसरी बड़ी गोल्ड लोन एनबीएफसी आईआईएफएल फाइनेंस देश की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बन गई है। इसने गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में मणप्पुरम फाइनेंस को पीछे छोड़ दिया है। आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने 23,690 करोड़ रुपये के एयूएम पार कर लिया है। मणप्पुरम फाइनेंस का गोल्ड लोन एयूएम 20,809 करोड़ रुपये है। इस बाजार में मुथूट फाइनेंस सबसे आगे है।

डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ सीमित

एनटीवी, नई दिल्ली

आज डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी सपाट खुला है। वहीं शेयर मार्केट बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। अमेरिकी मुद्रा यानी डॉलर में आई बढ़त ने रुपया को सपाट किया है। बीते दिन यानी बुधवार को रुपया अपने निचले स्तर से उठकर 10 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ था। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी सीमित दायरे में खुली है। शेयर मार्केट हरे निशान पर खुला है। विदेशी संस्थागत निवेशक मंगलवार को 455.59 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। स्टॉक मार्केट में नरम रुख के बीच बुधवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर

रहा था। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था क्योंकि विदेशी फंड की निरंतर निकासी से निवेशकों की भावनाएं प्रभावित हो रही थीं। आज इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में, रुपया डॉलर के मुकाबले 83.31 पर खुली और फिर 83.30 के उच्चतम स्तर और ग्रीनबैक के मुकाबले 83.32 के निचले स्तर को छू गई। बीते दिन, मंगलवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे बढ़कर 83.28 पर बंद हुआ। रातोंरात फेड मिनट्स जारी होने के बाद डॉलर इंडेक्स गिर गया। यूएस 10-वर्षीय बांड 4.41 प्रतिशत पर स्थिर था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा फेड बैठक के मिनटों में प्रतिभागियों ने नोट किया कि मुख्य मुद्रास्फीति को नीचे लाने में सीमित प्रगति हुई है। सभी दरों पर सावधानी से आगे बढ़ने पर सहमत हुए और कहा कि और अधिक सख्ती की आवश्यकता हो सकती है। अमेरिकी डॉलर की बोलियों के प्रवाह पर हावी होने से रुपये के मौजूदा दायरे में बने रहने की उम्मीद है। डॉलर इंडेक्स में डॉलर 103.55 पर अपरिवर्तित कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.13 प्रतिशत गिरकर 82.34 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। स्टॉक मार्केट का हाल आज के कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 51.91 अंक या 0.08 प्रतिशत बढ़कर 65,982.68 पर कारोबार कर रहा था। व्यापक एनएसई निफ्टी 24.55 अंक या 0.12 प्रतिशत बढ़कर 19,807.95 पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को 455.59 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

घरेलू बाजारों में शुरूआती कारोबार में बढ़त

- सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, टाइटन, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, नेस्ले और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहें।

एनटीवी, नई दिल्ली

कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। घरेलू बाजारों में मंगलवार को शुरूआती कारोबार में तेजी दिखी। हालांकि, विदेशी कोषों की सतत निकासी और वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच लाभ सीमित रहा। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक शुरूआती कारोबार में 74.43 अंक चढ़कर 66,005.20 पर पहुंच गया। निफ्टी 26.15 अंक बढ़कर 19,809.55 पर रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, टाइटन, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, नेस्ले और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहें। कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 455.59 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

चंद मिनटों में फुल हो गया टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ, इन निवेशकों ने किया सबसे ज्यादा इन्वेस्ट

एनटीवी, नई दिल्ली

टाटा टेक्नोलॉजीज आईपीओ आज सुबह टाटा ग्रुप (टाटा समूह) की सहायक कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ निवेशकों के लिए खुला था। निवेशकों को कंपनी का आईपीओ खूब पसंद आया। आईपीओ खुलने के कुछ समय के बाद ही यह आईपीओ पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया। आपको बता दें कि कंपनी का आईपीओ 24 नवंबर 2023 तक खुला रहेगा। आज टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ खुल गया है। कंपनी का आईपीओ 24 नवंबर तक निवेशकों के लिए खुला है। टाटा टेक आईपीओ का प्राइस बैंड 475-500 रुपये प्रति शेयर है। इंजीनियरिंग और डिजिटल सर्विस देने वाली टाटा टेक्नोलॉजीज (टाटा टेक्नोलॉजीज) का आईपीओ आज यानी 22 नवंबर 2023 (बुधवार) को सदस्यता के लिए खुला था। आईपीओ के खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया। इस से साफ पता चलता है कि निवेशकों को कंपनी का आईपीओ काफी पसंद आ रहा है। लगभग दो दशकों के बाद टाटा ग्रुप की कंपनी का आईपीओ आया है। इससे

पहले वर्ष 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ था। कंपनी ने 3,042.5 करोड़ रुपये के आईपीओ का प्रस्ताव पेश किया था। इसके लिए कंपनी को 4,50,29,207 शेयरों के मुकाबले 8,73,22,890 शेयरों के लिए बोली प्राप्त हुई। एनएसई डेटा के अनुसार 11:21 बजे तक टाटा टेक के आईपीओ को 1.94 गुना सदस्यता मिली है। इन निवेशकों का रहा अच्छा रिस्पांस टाटा टेक आईपीओ को सभी वर्ग के निवेशकों से काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। गैर-संस्थागत निवेशकों से 2.72 गुना अभिदान मिला, जबकि क्यूआईबी के कोटे को 1.98 गुना अभिदान मिला। वहीं, रिटेल निवेशकों के हिस्से को 1.63 गुना अभिदान मिला। 21 नवंबर को कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 791 करोड़ रुपये जुटाए हैं। टाटा टेक आईपीओ टाटा टेक आईपीओ का प्राइस बैंड 475-500 रुपये प्रति शेयर है। यह निवेशकों के लिए 24 नवंबर 2023 तक खुला है। यह आईपीओ पूरी तरह से यानी 6.08 करोड़ इक्विटी शेयरों का ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) है। जेएम फाइनेंशियल, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स और बोफा सिक्योरिटीज आईपीओ पर कंपनी को सलाह देने के लिए बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। टाटा टेक्नोलॉजीज के इक्विटी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। आपको बता दें कि टाटा टेक आईपीओ में टाटा मोटर्स 4.63 करोड़ शेयर बेचेगी, जो 11.4 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करती है। वहीं, अल्फा टीसी होल्डिंग्स 97.17 लाख शेयर और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड क48.58 लाख शेयर बेचेगा।

Gandhar Oil Refinery IZY IPO में मिली जबरदस्त प्रक्रिया, कुछ ही घंटों में फुल हो गया सब्सक्रिप्शन; यहां चेक करें डिटेल्स

- एंकर निवेशकों से कितने करोड़ जुटाए? गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) लिमिटेड ने कल जानकारी दी थी कि कंपनी ने आईपीओ खुलने के एक दिन पहले एंकर निवेशकों से 150 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक जुटाया है।

एनटीवी, नई दिल्ली

ऑयल लुब्रिकेंट और ग्रीस निमार्ता गांधार ऑयल रिफाइनरी के आईपीओ को निवेशकों द्वारा अच्छी प्रक्रिया मिली है। कंपनी का क्क्ढड खुलने के कुछ ही घंटों में पूरा सब्सक्राइब हो गया। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक सुबह 1145 बजे तक 500.69 करोड़ रुपये के आईपीओ में पेश किए गए 21243940 शेयरों के मुकाबले 29640864 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली। ऑयल, और ग्रीस निमार्ता गांधार ऑयल रिफाइनरी

(इंडिया) के आईपीओ को निवेशकों ने अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। कंपनी के इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के खुलने के कुछ ही घंटों के अंदर पूरा सब्सक्रिप्शन मिल गया। 11:45 बजे तक एनएसई के आंकड़ो के मुताबिक 500.69 करोड़ रुपये के आईपीओ के ऑफर पर 2,12,43,940 शेयरों के मुकाबले 2,96,40,864 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। किसने कितना किया सब्सक्राइब? खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (फ्क्क्) के हिस्से को 2.01 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 1.76 गुना अभिदान मिला। गांधार का आईपीओ आज यानी 22 नवंबर को खुला है जो आगामी 24 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों से कितने करोड़ जुटाए? गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) लिमिटेड ने कल जानकारी दी थी कि कंपनी ने आईपीओ खुलने के एक दिन पहले एंकर निवेशकों से 150 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक जुटाया है। कंपनी का कुल आईपीओ 500 करोड़ रुपये का है।

क्या है आईपीओ ऑफर?

कंपनी ने इस आईपीओ में 302 करोड़ रुपये के फ्रैश ऑफर की पेशकश की है। इसके अलावा 1,17,56,910 इक्विटी शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल के माध्यम से करने की घोषणा की है। गांधार ने इस आईपीओ का प्राइस बैंड 160-169 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ओएफएस में शेयरों की पेशकश करने वालों में प्रमोटरों में रमेश बाबूलाल पारेख, कैलाश पारेख और

- कंपनी के इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के खुलने के कुछ ही घंटों के अंदर पूरा सब्सक्रिप्शन मिल गया।

गुलाब पारेख और अन्य शेयरधारक, फ्लीट लाइन शिपिंग सर्विसेज एलएलसी, डेनवर बिल्डिंग मैट एंड डेकोर टीआर एलएलसी और ग्रीन डेजर्ट रियल एस्टेट ब्रोकर्स शामिल हैं।

कहां होगा आईपीओ के पैसों का इस्तेमाल? आईपीओ के पैसों का इस्तेमाल डेट का पेमेंट करने, उपकरणों की खरीद और सिलवासा प्लांट में ऑटोमोटिव तेल की क्षमता में विस्तार के लिए आवश्यक सिविल कार्य के लिए किया जाएगा।

इसके अलावा, फंड का उपयोग कंपनी के तलोजा प्लांट में पेट्रोलियम जेली की क्षमता बढ़ाने और कॉस्मेटिक उत्पाद प्रभाग के साथ-साथ प्लांट में ब्लेंडिंग टैंक स्थापित करके सफेद तेलों की क्षमता में विस्तार के लिए किया जाएगा। इसके अलावा राशि का

पहले क्रिकेट अब राजनेता सबसे अच्छा क्या? अजहर बोले- दोनों अलग-अलग दौर की बात

एनटीवी, हैदराबाद

अजहर बोले- जनता अपने चहेते लोगों से काफी उम्मीद रखती है। आप जीतकर उनके बीच रहेंगे, तो किसी को कोई समस्या नहीं है। लोग चाहते हैं कि आप उनके सुख दुख का हिस्सा बनें। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे मोहम्मद अजहरुद्दीन लंबे अरसे से राजनीति में हैं। यूपी के मुरादाबाद से सांसद रहने के बाद अब हैदराबाद की जुबली हिल्स विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर मैदान में हैं। ओवैसी के प्रभाव वाले हैदराबाद में उनके चुनाव लड़ने और अनेक आरोप-प्रत्यारोपों से जुड़े सवालों पर अमर उजाला से नितिन यादव ने उनसे विस्तार से बात की। कुछ लोगों का काम ही है वोट बांटना, पर जनता समझदार ओवैसी द्वारा गैर गंभीर नेता बताए जाने पर दिग्गज क्रिकेटर बोले- कुछ लोग बेमतलब की बयानबाजी करते हैं आप मुरादाबाद से सांसद रहे और अब विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसा क्यों? पी और राजस्थान में भी लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया लेकिन मेरा मन है कि अब मैं तेलंगाना में रहूं। मैं जब छोटा था तो यहां के लोग तभी से मेरे साथ रहे। जब मैं क्रिकेट खेलता था तो अपने घर के लोगों का प्रोत्साहन सबसे ज्यादा मिलता था। अब मैं उनके बीच आया हूं और तय किया है कि उनकी सेवा करूंगा। बीआरएस कहती है, उन्होंने हैदराबाद में बहुत काम किया है। ऐसे में आप जुबली हिल्स की सीट कैसे जीतेंगे? दस साल में बीआरएस की सरकार ने कुछ नहीं किया है। सड़कों पर पानी भरा है और मच्छर से जुड़ी बीमारियों से लोग परेशान हैं। हकीकत यह है कि यहां पर लोग सामान्य सुविधाओं के लिए भी तरस रहे हैं। वैसे भी सरकारी योजनाओं का लाभ तो सबको दिया नहीं गया। आपकी सीट पर बीआरएस और ओवैसी दोनों ने प्रत्याशी उतारे हैं। ओवैसी का प्रत्याशी मुस्लिम है। जब चुनाव लड़ रहे हैं तो सामने कोई भी आए। उन्होंने अल्पसंख्यक वर्ग के लिए किया क्या है जो वोटों पर दावा कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड डिजिटल नहीं हुआ है और उर्दू अकादमी बंद पड़ी हुई है। इस्लामिक सेंटर का काम अधूरा है। वो सिर्फ कागजों पर अपने काम गिना रहे हैं। कुछ लोगों का इरादा ही वोट बांटने का है पर अब जनता समझदार है। वह बेहतर फैसला करेगी। ओवैसी आपको गैर गंभीर राजनेता बताते हैं। कहने से क्या होता है। मैं जनता के साथ रहा हूं। मुरादाबाद में चार हजार करोड़ से ज्यादा के काम कराए। कुछ लोग लगातार बेमतलब की बयानबाजी कर रहे हैं। राजनीति में आरोप लगते रहे हैं। इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। भाजपा कहती है, ओबीसी सीएम के सहारे बनाएंगे। मुस्लिम महिलाएं भी भाजपा को वोट देती हैं। उनका इस राज्य में कुछ नहीं है। जनता समझ चुकी है पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए कांग्रेस ने ही काम कराए हैं। लोगों को इंदिरा गांधी के जमाने में जो घर मिले थे, वह आज भी चल रहे हैं। कांग्रेस अपनी गारंटियों को पूरा करेगी। भाजपा अफवाह फैलाती है। महिलाएं भी उसी समाज का हिस्सा हैं, जिन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिला। प्रधानमंत्री मोदी के करिश्मे के सहारे भाजपा अच्छा प्रदर्शन करती है। यहां भी भाजपा को ऐसी ही उम्मीद है। हर चीज की एक्सपायरी डेट होती है। मोदी की बातों में जनता नहीं आ रही है। कई राज्यों के चुनाव उदाहरण हैं। मोदी तो हिमाचल-कर्नाटक में भी गए थे लेकिन कांग्रेस भारी बहुमत से जीती। क्या इंडिया गठबंधन टूट रहा है? ऐसा नहीं है। लोकसभा चुनाव में अभी देर है। सभी साथ आएंगे। सबकी विचारधारा एक है और मिलकर ही लड़ेंगे। कई बार जब स्टार चेहरे जीतते हैं तो बाद में जनता को उपलब्ध नहीं होते। लोग उनसे नाराज हो जाते हैं। जनता अपने चहेते लोगों से काफी उम्मीद रखती है। आप जीतकर उनके बीच रहेंगे, तो किसी को कोई समस्या नहीं है। लोग चाहते हैं कि आप उनके सुख दुख का हिस्सा बनें। आप विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं, क्या मुरादाबाद से फिर से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे? मेरी इच्छा है कि मैं तेलंगाना के लोगों की ही सेवा करूं। इसलिए अभी मेरा फोकस यहीं पर है। बाकी फैसले समय भी करता है तो वह मैं कैसे बता सकता हूं।

ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री ने जयशंकर को भेंट किया बैट

एनटीवी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मंगलवार को दिल्ली में कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान यहां उन्होंने डिज्नी स्टार और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बीच एक प्रसारण सौदे की घोषणा की। उन्होंने क्रिकेट को एक सेतु बताया और उस समझौते की सराहना की जो उनके देश में खेले जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को भारत में प्रसारित करने की सुविधा प्रदान करता है। डिज्नी स्टार ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ सात साल के समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले सभी पुरुष और महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को भारत में प्रसारित करने के विशेष अधिकार हासिल कर लिए हैं। वोंग ने कहा, 'क्रिकेट में, हम भाग्यशाली हैं कि जिस खेल से हम प्यार करते हैं वह एक ऐसा सेतु है जो हमारे दोनों देशों के बीच संबंध और स्नेह को गहरा करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और स्टार स्पोर्ट्स के बीच इस प्रसारण सौदे को लेकर उत्साहित हैं, जिसके माध्यम से अधिक भारतीय ऑस्ट्रेलिया की महिला और पुरुष बिग बैश लीग टूर्नामेंट देख सकेंगे।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर, ऑस्ट्रेलियाई दौरे के साथ मेल खाने के लिए मई 2024 से प्रचार गतिविधियों की योजना बना रहा है। यह सौदा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए है, जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने महिला क्रिकेट के लिए सबसे बड़ा विकास बाजार मानता है। पेनी वोंग ने विदेश मंत्री को उपहार में दिया कश्मीरी विलो से बना बैट ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को कश्मीरी विलो से बना एक बल्ला उपहार में दिया। बल्ले पर विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के हस्ताक्षर थे। वोंग ने मंगलवार को दिल्ली में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में युवा क्रिकेटरों के साथ क्रिकेट भी खेला। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को भी बल्ले उपहार में दिए। वोंग ने विदेश मंत्रियों के फ्रेमवर्क डायलॉग के लिए नई दिल्ली में जयशंकर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। चीन सेना का ऐसे आधुनिकीकरण कर रहा, जैसा कभी न हुआ ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि चीन अपनी सेना का आधुनिकीकरण उस पैमाने पर कर रहा है जो दुनिया में कभी नहीं देखा गया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडी श्रीराम कॉलेज में एक कार्यक्रम में वोंग ने जोर देकर कहा कि ऑस्ट्रेलिया हिंद-प्रशांत में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए क्वाड जैसी साझेदारी के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को एक स्वतंत्र और खुली व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए साझेदारी की आवश्यकता है। भारत के साथ साझेदारी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र में शक्ति के रणनीतिक संतुलन में योगदान देता है। फरवरी में हिंद महासागर सम्मेलन की मेजबानी करेगा ऑस्ट्रेलिया वोंग ने कहा कि अगले साल फरवरी में पर्थ हिंद महासागर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। मैं जयशंकर का ऑस्ट्रेलिया में स्वागत करने के लिए भी उत्सुक हूं। सम्मेलन क्षेत्र के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान पर चर्चा करने का अवसर होगा। हिंद महासागर सम्मेलन 2016 में सिंगापुर में शुरू हुआ, जिसमें 30 देश शामिल थे। पिछले छह वर्षों में सम्मेलन क्षेत्रीय मामलों पर क्षेत्र के देशों के लिए एक परामर्शदात्री मंच के रूप में उभरा है।

संक्षिप्त खबरें

तीन साल के बच्चे के अपहरण के मामले में तीन गिरफ्तार, दो लाख रुपये में बेचने की थी योजना

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने बच्चे को दो लाख रुपये में बेचने की योजना बनाई थी। वहीं पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि उसे 10 साल से कम उम्र के बच्चे को बेचने पर दो लाख रुपये मिलते थे। महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां की वाडला पुलिस ने तीन साल के बच्चे के अपहरण मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने बच्चे को दो लाख रुपये में बेचने की योजना बनाई थी। वहीं पूछताछ में आरोपी महिला ने दावा किया कि उसे 10 साल से कम उम्र के बच्चे (चाहें वो लड़का हो या लड़की) को बेचने पर दो लाख रुपये मिलते थे।

दुष्कर्म का केस दर्ज नहीं कर रही पुलिस, हाईकोर्ट गई बुल्गारिया की फ्लाइट अटेंडेंट

अहमदाबाद पुलिस को बलात्कार और यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने की मांग वाली याचिका स्वीकार करने के बाद न्यायमूर्ति जेसी दोशी ने 13 अक्तूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट अदालत से उक्त मामले का रिकॉर्ड और कार्यवाही (आरएंडपी) एकत्र करने के लिए कहा था। बुल्गारिया की फ्लाइट अटेंडेंट ने निचली अदालत में दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कराने की याचिका खारिज होने के बाद गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया है। अहमदाबाद स्थित एक प्रमुख दवा कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के खिलाफ महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। अहमदाबाद पुलिस को बलात्कार और यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने की मांग वाली याचिका स्वीकार करने के बाद न्यायमूर्ति जेसी दोशी ने 13 अक्तूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट अदालत से उक्त मामले का रिकॉर्ड और कार्यवाही (आरएंडपी) एकत्र करने के लिए कहा था। याचिका पर अब 4 दिसंबर को जस्टिस एचडी सुथार सुनवाई करेंगे।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में जी-20 का वर्चुअल सम्मेलन आज; रूस के राष्ट्रपति और चीनी प्रधानमंत्री भी लेंगे भाग

एनटीवी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-20 नेताओं के डिजिटल शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने से एक दिन पहले भारत ने मंगलवार को कहा कि यह बैठक दिल्ली घोषणापत्र (दिल्ली घोषणा) के क्रियान्वयन पर चर्चा करने, महत्वपूर्ण चुनौतियों पर सहयोग बढ़ाने और वैश्विक शासन में कमियों को दूर करने का अवसर देगी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी पीएम ली कियांग बुधवार को भारत की अध्यक्षता में वर्चुअल जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा, जी-20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन भारत की अध्यक्षता में सितंबर में समूह के वार्षिक सम्मेलन में तय किए गए नतीजों और कार्रवाई बिंदुओं को आगे बढ़ाएगा। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्त्राइल-हमास संघर्ष के प्रभाव पर भी चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-20 नेताओं के डिजिटल शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने से एक दिन पहले भारत ने मंगलवार को कहा कि यह बैठक दिल्ली घोषणापत्र (दिल्ली घोषणा) के क्रियान्वयन पर चर्चा करने, महत्वपूर्ण चुनौतियों पर सहयोग बढ़ाने और वैश्विक शासन में कमियों को दूर करने का अवसर देगी। शिखर सम्मेलन पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि नौ और 10 सितंबर को हुए शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के बाद परिस्थितियां बदली हैं। नई दिल्ली घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाने के बाद से दुनिया ने एक के बाद एक कई घटनाएं देखी हैं और कई नई चुनौतियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य एजेंडा विकास होगा, जबकि नेता कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "यह डिजिटल शिखर सम्मेलन न केवल घोषणाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा का अवसर देगा, बल्कि लीडर्स को उन महत्वपूर्ण चुनौतियों पर विचारों को साझा करने और सहयोग बढ़ाने का मौका भी देगा जिनका हम सामना कर रहे हैं। कांत ने कहा कि प्रधानमंत्री बुधवार शाम साढ़े पांच बजे से शुरू होने वाले शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

राहुल-सोनिया पर एजेएल की करोड़ों की संपत्ति हथियाने के आरोप

- जवाहर लाल नेहरू ने आजादी की लड़ाई में लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 1938 में नेशनल हेराल्ड अखबार की नींव रखी थी। इसका संचालन एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) करता था।
- 2014 में भाजपा सरकार बनी और अगस्त में ईडी ने सोनिया, राहुल, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे व सैम पित्रोदा पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

एनटीवी, नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड अखबार आजादी के बाद भी चलता रहा और दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, मुंबई आदि में इसकी संपत्तियां भी बढ़ी। हालांकि, बाद में घाटा होने लगा। कांग्रेस से लोन लेकर चल रहा अखबार 2008 में बंद हो गया। उस समय एजेएल पर कांग्रेस का करीब 90 करोड़ रुपये कर्ज था। 2010 में इस देनदारी को नौ करोड़ शेयरों में बदल यंग इंडियन को दे दिया गया। जवाहर लाल नेहरू ने आजादी की लड़ाई में लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 1938 में नेशनल हेराल्ड अखबार की नींव रखी थी। इसका संचालन एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) करता था। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी पर यंग इंडियन लि.(वाईआईएल) कंपनी के जरिये इसी एजेएल की करोड़ों की संपत्ति औने-पौने दाम पर हथियाने के आरोप लगे हैं। नेशनल हेराल्ड अखबार आजादी के बाद भी चलता रहा और दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, मुंबई आदि में इसकी संपत्तियां भी बढ़ी। हालांकि, बाद में घाटा होने लगा। कांग्रेस से लोन लेकर चल रहा अखबार 2008 में बंद हो गया। उस समय एजेएल पर कांग्रेस का करीब 90 करोड़ रुपये कर्ज था। 2010 में इस देनदारी को नौ करोड़ शेयरों में बदल यंग इंडियन को दे दिया गया। यह एजेएल के 99% शेयर थे। इस प्रकार एजेएल पर कांग्रेस का ऋण खत्म बताया गया। वाईआईएल में 76% हिस्सा सोनिया व राहुल तथा बाकी 24% मोतीलाल वोरा व ऑस्कर फर्नांडिस को मिला। केंद्र में भाजपा सरकार बनने पर दर्ज हुआ था मामला साल 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने आरोप लगाया कि एजेएल की करीब 2,000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर वाईआईएल को केवल 50 लाख रुपए में अधिकार दे दिया गया। महज 5 लाख रुपए में बनी वाईआईएल की संपत्ति कुछ ही साल में 800 करोड़ की हो गई। राहुल को 154 करोड़ रुपए का फायदा हुआ। स्वामी ने इसे मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी बताया। 2014 में भाजपा सरकार बनी और अगस्त में ईडी ने सोनिया, राहुल, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे व सैम पित्रोदा पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। कांग्रेस की सफाई बचाव में कांग्रेस ने वाईआईएल को मुनाफा न कमाने के उद्देश्य से बनी कंपनी बताया। कहा, एजेएल की कोई संपत्ति वाईआईएल को नहीं दी गई, सभी पर उसका अधिकार कायम है।

एजेएल के 9 करोड़ शेयर कांग्रेस का ऋण चुकाने के लिए वाईआईएल को दिए गए। इन शेयर पर कोई लाभांश किसी हिस्सेदार को नहीं मिलता।

आदिवासी क्षेत्रों को बड़े शहरों से जोड़ेंगी ये तीन ट्रेन

- राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अमृत स्टेशन योजना के तहत बादामपहाड़ स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी।
- मुर्मू ने छात्रों से सकारात्मक बदलाव का वाहक, विविधता के पैरोकार और अखंडता के अग्रणी बनने की अपील की।

एनटीवी, भुवनेश्वर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में इंजीनियर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुर्मू ने छात्रों से सकारात्मक बदलाव का वाहक, विविधता के पैरोकार और अखंडता के अग्रणी बनने की अपील की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले के बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन से तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये गाड़ियां आदिवासी क्षेत्रों को बड़े शहरों से जोड़ेंगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और पर्यटन को बढ़ावा देंगी। मुर्मू ने बादामपहाड़ से रायरंगपुर तक ट्रेन में यात्रा भी की। समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अमृत स्टेशन योजना के तहत बादामपहाड़ स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी। इन ट्रेनो की शुरूआत शालीमार-बादामपहाड़ व बादामपहाड़-राउरकेला साप्ताहिक एक्स. एवं बादामपहाड़ और टाटानगर के बीच एमईएमयू। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे इंजीनियर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में इंजीनियर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुर्मू ने छात्रों से सकारात्मक बदलाव का वाहक, विविधता के पैरोकार और अखंडता के अग्रणी बनने की अपील की। राष्ट्रपति ने संबलपुर जिले के बरला स्थित वीर सुरेंद्र साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद रहे।

तीन युवा कांग्रेस कार्यकताओं को केरल पुलिस ने पकड़ा, फर्जी मतदाता पहचान पत्र इस्तेमाल का आरोप

एनटीवी, तिरुवनन्तपुरम

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों पर मामला दर्ज किया गया था। उन्हें शिकायत मिली थी की युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में फर्जी मतादाता पहचान पत्र का इस्तेमाल किया गया था। मामले की जांच के लिए आठ सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया गया है। केरल पुलिस ने युवा कांग्रेस के तीन कार्यकताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि तीनों कार्यकर्ता फर्जी मतदाता पहचान पत्र का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए हैं। पुलिस ने कहा कि उनके पास लैपटॉप, मोबाइल फोन और फर्जी चुनाव फोटो पहचान पत्र भी जब्त किए गए हैं। बता दें, हाल ही में युवा कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक चुनाव की घोषणा की थी। घोषणा के दो दिन बाद ही फर्जी मतदाता पहचान पत्र के इस्तेमाल के आरोप सामने आए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों पर मामला दर्ज किया गया था। उन्हें शिकायत मिली थी की युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में फर्जी मतादाता पहचान पत्र का इस्तेमाल किया गया था। मामले की जांच के लिए आठ सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया गया है। आरोपी कार्यकताओं के नाम अभि विक्रम, फेनी और बिनिल बीनू है। मामले में भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

इंडिगो की उड़ान में देरी के कारण आठ यात्रियों की छूटी कनेक्टिंग फ्लाइट, कंपनी ने जताया खेद

- अमृतसर से उड़ान भरने वाले आठ यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट इंडिगो एयरलाइन की देरी के कारण बंगलूरू पहुंचने के बाद भी छूट गई।

एनटीवी, नई दिल्ली

यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है। विमानन कंपनी का यह बयान उन रिपोर्टों के सामने आने के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि एयरलाइन उड़ान भरने के लिए तैयार नहीं थी और उसने यात्रियों को विमान से उतार दिया था। अमृतसर से उड़ान भरने वाले आठ यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट इंडिगो एयरलाइन की देरी के कारण बंगलूरू पहुंचने के बाद भी छूट गई। इन यात्रियों को चेन्नई जाना था। यह मामला रविवार का है। मंगलवार को इंडिगो ने खेद जताते हुए स्पष्टीकरण दिया है। एयरलाइन का कहना है कि समय की कमी के कारण यात्री अपनी कनेक्टिंग फ्लाइट में नहीं चढ़ पाए। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है। विमानन कंपनी का यह बयान उन रिपोर्टों के सामने आने के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि एयरलाइन उड़ान भरने के लिए तैयार नहीं थी और उसने यात्रियों को विमान से उतार दिया था। एक बयान में कंपनी ने कहा कि ऐसा अमृतसर से आने वाले विमान की देरी के कारण हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि परिचालन कारणों से चेन्नई उड़ान के लिए विमान में बदलाव किया गया, जिसके कारण यात्रियों को उतरना पड़ा। इंडिगो के अनुसार, उसके कर्मचारियों ने यात्रियों को रातभर ठहरने और अगली उपलब्ध उड़ान में बुकिंग की पेशकश की, लेकिन कुछ यात्रियों ने हवाईअड्डे के लाउंज में रुकने का विकल्प चुना।

नहीं रहे लाखों आंखों को रोशन करने वाले डॉ. बद्रीनाथ, नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में लाए बड़े बदलाव

एनटीवी, चेन्नई

एक आम आदमी की तरह जीवन जीने वाले डॉ. बद्रीनाथ ने निधन से पहले निर्देश दे दिए थे कि उनके लिए विशेष आयोजन न हों। बढ़ा-चढ़ा कर संस्कार न निभाए जाएं। निधन पर दुख जताने के लिए शंकर नेत्रालय में एक सेकंड के लिए भी काम न रुके। लाखों लोगों को सस्ती नेत्र चिकित्सा देने वाले चेन्नई के शंकर नेत्रालय के संस्थापक और जाने-माने विट्रियोरेटिनल शल्य-चिकित्सक डॉ. एसएस बद्रीनाथ (83) का मंगलवार को अपने घर में निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार थे। उन्हें भारत में नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने के लिए जाना जाता है। डॉ. बद्रीनाथ के परिवार में उनकी पत्नी व बालरोग विशेषज्ञ डॉ. वसंती बद्रीनाथ और दो बेटे अनंत व शेषु हैं। बचपन में एक रिश्तेदार डॉ. बद्रीनाथ के घर रहने आया, वह दृष्टिहीन था। उसके साथ गुजारे समय ने बद्रीनाथ को दृष्टिहीन लोगों की मुश्किलों के बारे में जानने का मौका दिया। उनके मन में उनके लिए काम करने का गहरा जज्बा पैदा हुआ। कह गए थे-दुख जताने के लिए काम न रोकना एक आम आदमी की तरह जीवन जीने वाले डॉ. बद्रीनाथ ने निधन से पहले निर्देश दे दिए थे कि उनके लिए विशेष आयोजन न हों। बढ़ा-चढ़ा कर संस्कार न निभाए जाएं। निधन पर दुख जताने के लिए शंकर नेत्रालय में एक सेकंड के लिए भी काम न रुके। किसी की इच्छा हो तो हाथ में काली पट्टी बांध सकता है, लेकिन काम करता रहे। अंतिम संस्कार भी साधारण तरीके से करें, जैसा साधारण लोगों का किया जाता है। यूं रहा सफर 24 फरवरी 1940 को चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में जन्मे सेंगामेदी श्रीनिवास बद्रीनाथ ने यहीं से स्कूली शिक्षा ली। उन्होंने 1962 में मद्रास मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई की और फिर अमेरिका के न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के ग्रासलैंड चिकित्सालय स्थित पीजी मेडिकल स्कूल व ब्रुकलिन नेत्र चिकित्सालय से पढ़कर 1968 में नेत्र चिकित्सक बने। 1970 में भारत लौटे। 1974 में कांची मठ के आचार्य जयेंद्र सरस्वती से मुलाकात के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। आध्यात्मिक गुरु चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती स्वामिगल के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करने के दौरान वह शंकर मठ के संपर्क में आए। उनकी प्रेरणा से 1978 में डॉ. बद्रीनाथ ने शंकर नेत्रालय की स्थापना की। उन्हें पद्मश्री और पद्म भूषण सम्मान दिए गए। अमिट छाप छोड़ी पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि डॉ. एसएस ब्रदीनाथ के निधन पर गहरा दुख हुआ है। वह शंकर नेत्रालय के संस्थापक होने के साथ विजनरी नेत्र चिकित्सक भी थे। नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान और समाज के प्रति उनकी अथक सेवा ने अमिट छाप छोड़ी है। उनके परिजनों और प्रियजनों के प्रति सांत्वना। उनका काम कई पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। ये मिले सम्मान 1983: पद्श्री, 1991: डॉ. बीसी रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार, 1992: पॉल हैरिस फेलो अवॉर्ड, 1999 : पद्म भूषण, 2009: उत्कृष्टता के लिए वी कृष्णमूर्ति पुरस्कार, 2009: मद्रास सिटी ऑप्थल्मोलॉजिकल एसोसिएशन लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, 2014: लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, विट्रेओ रेटिनल सोसाइटी।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042